संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 223
पृष्ठ 8
रविवार
03 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– रसोई में लाल चीटियों का...

विचार– विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़...

खेल– केएल राहुल के नाम दर्ज हुआ...

जल जीवन मिशन पर योगी सरकार का बड़ा एक्शन, बोले

लापरवाही करने वालों की अब खैर नहीं

लखनऊ (संवाददाता)। योगी आदित्यनाथ ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया है कि वे जल जीवन मिशन के अंतर्गत खुदाई कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें और यह भी सुनिश्चित करें कि काम पूरा होने के बाद खोदी गई सभी सड़कों और गड्ढों को तुरंत बहाल किया जाए। जिला मजिस्ट्रेटों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को अनुपालन की निगरानी के लिए व्यक्तिगत रूप से स्थल निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कर दिया है कि इस संबंध में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

योगी सरकार शहरी केंद्रों से ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वच्छ पेयजल की पहुंच बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, जिससे जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों लोगों को पहले ही लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार, सभी जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों, मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों और अन्य संबंधित विभागीय अधिकारियों को खोदी गई सड़कों और गड्ढों की स्थिति का जायजा लेने और उनकी तत्काल मरम्मत सुनिश्चित करने के लिए मौके पर जाकर निरीक्षण करना होगा। उन्होंने दोहराया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बरतने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

देरी, अधूरा काम या कर्तव्य में चूक के लिए जिम्मेदार पाई जाने वाली एजेंसियों और ठेकेदारों पर जुर्माना लगाया जाएगा और उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल समाधान पोर्टल पर दर्ज जल आपूर्ति, रिसाव और खुदाई संबंधी शिकायतों के समाधान को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट से तृणमूल कांग्रेस को झटका, याचिका पर नहीं दिया कोई आदेश

नयी दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका पर कोई आदेश देने से शनिवार को इनकार कर दिया जिसमें पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों की मतगणना के दौरान केन्द्र सरकार और केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मियों को तैनात करने के चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती दी गयी थी। तृणमूल कांग्रेस ने इससे पहले कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनाव आयोग के निर्णय को चुनौती दी थी लेकिन न्यायालय ने उसकी याचिका को खारिज कर दिया था। न्यायालय ने कहा था कि मतगणना कर्मियों की नियुक्ति करना चुनाव आयोग के अधिकार क्षेत्र में आता है।

शीर्ष न्यायालय में न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची की पीठ ने तृणमूल कांग्रेस तथा चुनाव आयोग के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद कहा कि इस मामले में कोई आदेश देने की जरुरत नहीं है। सिर्फ चुनाव आयोग के वकील का यह वक्तव्य रिकॉर्ड कर लिया गया है कि चुनाव आयोग गत 13 अप्रैल को जारी सर्कुलर का पूर्णतरू पालन करेगा।

तृणमूल कांग्रेस ने याचिका में केन्द्रीय कर्मचारियों और केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम के कर्मचारियों को मतगणना में लगाने पर आपत्ति की थी।

कांकेर में आईईडी ब्लास्ट, डीआरजी के चार जवानों का बलिदान

कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में नक्सल ऑपरेशन के दौरान बड़ा हादसा हुआ है। शनिवार को आईईडी निष्क्रिय करने के दौरान जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें डीआरजी के तीन जवान मौके पर ही बलिदान हो गये। वहीं एक जवान को हेलीकॉप्टर से रायपुर से लाया गया, जहां इलाज के दौरान वह भी बलिदान हो गये। इस प्रकार कुल चार जवान वीरगति को प्राप्त हो गये। डीआरजी टीम प्रदेश के कांकेर–नारायणपुर सीमा क्षेत्र में नक्सलियों के छिपाए गए डंप की तलाश में निकली थी। इस दौरान आईईडी को हटाने की कोशिश में अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे चार जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। बस्तर आईजी सुंदरराज पट्टिलिंगम ने घटना की पुष्टि की है। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने इलाके में सर्च अभियान तेज कर दिया है। पूरे इलाके को घेर लिया है ताकि अन्य संभावित को खोजकर निष्क्रिय किया जा सके। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में नक्सलियों की संभावित गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए सतर्कता बढ़ा दी गई है।

एग्जिट पोल को ममता बनर्जी ने बताया 'स्टॉक मार्केट' का खेल, कहा

हम 200 से ज्यादा सीटें जीतेंगे

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को विश्वास जताया कि टीएमसी मौजूदा विधानसभा चुनावों में विजयी होगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतगणना अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने एग्जिट पोल के अनुमानों को खारिज कर दिया और उन्हें शेयर बाजार में हेरफेर करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि हम जीत रहे हैं और 200 से अधिक सीटों से जीत रहे हैं। एग्जिट पोल शेयर बाजार में हेरफेर करने का एक मात्र प्रयास है। उन्होंने 2021, 2024 और अब भी ऐसा ही किया है। उन्होंने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों पर टीएमसी कार्यकर्ताओं के खिलाफ बर्बरता करने का आरोप लगाया

और आश्वासन दिया कि पीड़ितों को पुरस्कृत किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पार्टी सीएपीएफ की बर्बरता का शिकार हुए लोगों को पुरस्कृत करेगी। उनके ये बयान दक्षिण 24 परगना जिले की दो विधानसभा सीटों पर चल रहे पुनर्मतदान के बीच आए हैं। भाजपा के पश्चिम बंगाल सह–प्रभारी अमित मालवीय ने आरोप लगाया था कि राज्य में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान डायमंड हार्बर विधानसभा क्षेत्र के फाल्टा में कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को पार्टी उम्मीदवार चुनने से रोका गया था। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में चल रहे पुनर्मतदान के बीच शनिवार दोपहर 3 बजे तक मगरहटाट पश्चिम विधानसभा के 11 मतदान केंद्रों पर 72.5: मतदान हुआ, जबकि डायमंड हार्बर विधानसभा के 4 मतदान केंद्रों पर 72.36: मतदान दर्ज किया गया। इस तरह कुल मतदान 72.43: रहा।

मतदान प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की बाधा को रोकने के लिए मतदान केंद्रों के पास त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवान तैनात किए गए हैं। सूक्ष्म पर्यवेक्षक मतदान पर कड़ी नजर रख रहे हैं, जबकि कोलकाता चुनाव आयोग कार्यालय से निगरानी की जा रही है।

4 मई को 240 से अधिक अतिरिक्त पर्यवेक्षक तैनात होंगे : चुनाव आयोग

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। आयोग ने शनिवार को 165 अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक तैनात

किए हैं। यह तैनाती मतगणना केंद्रों पर कानून–व्यवस्था और सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। आयोग के एक अधिकारी ने बताया कि जिन विधानसभा क्षेत्रों में एक से अधिक मतगणना हॉल हैं, वहां अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं। पुलिस पर्यवेक्षक मतगणना केंद्रों के आसपास कानून–व्यवस्था की व्यवस्था की निगरानी करेंगे। आयोग के अनुसार, पुलिस पर्यवेक्षक सुरक्षा प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करेंगे। हालांकि, वे किसी भी परिस्थिति में मतगणना के दिन मतगणना हॉल में प्रवेश नहीं करेंगे।

ऐसे मामले मानवता पर कलंक, आरोपी के लिए फांसी मांगेगी सरकार : सीएम फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले के भोर तहसील स्थित नास्रापुर में चार वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और उसकी निर्मम हत्या की घटना पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने इस घटना को मानवता पर कलंक बताते हुए कहा कि राज्य सरकार आरोपी को मृत्युदंड दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी। यह घटना 1 मई की बताई जा रही है, जब आरोपी ने बच्ची को खाने का लालच देकर एक पशुशाला में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में

पत्थर से मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद शव को गोबर के ढेर में छिपाने की कोशिश की गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जो पहले भी ऐसे मामलों में आरोपी रह चुका है। मुख्यमंत्री ने पुणे ग्रामीण पुलिस को निर्देश दिए हैं कि मामले में पुख्ता साक्ष्य जुटाकर मजबूत केस तैयार किया जाए, ताकि अदालत में कोई कमी न रह जाए। उन्होंने घोषणा की कि इस मामले की सुनवाई फास्ट–ट्रैक कोर्ट में की जाएगी, जिससे पीड़िता को जल्द न्याय मिल सके। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि सभी तथ्य और सच्चाई जल्द सामने लाई जाए।

पवन खेड़ा को सुप्रीम कोर्ट से राहत, बोले

सत्ता का दुरुपयोग करने वालों के लिए यह चेतावनी है

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा कथित जालसाजी और मानहानि से संबंधित मामले में उन्हें अग्रिम जमानत दिए जाने के फैसले का स्वागत किया और इस राहत को राज्य सत्ता का दुरुपयोग करने वालों के लिए एक चेतावनी बताया। एक्स से बात करते हुए, खेड़ा ने सर्वोच्च न्यायालय और अपनी पार्टी के नेतृत्व को धन्यवाद दिया और कहा कि यह आदेश कानून के शासन को मजबूत करता है। पवन खेड़ा ने आगे कहा कि मैं माननीय सर्वोच्च न्यायालय का विधि के शासन को कायम रखने के लिए धन्यवाद करता हूँ... मेरी जमानत न केवल मेरी व्यक्तिगत जीत और राहत का स्रोत है, बल्कि राज्य शक्ति का दुरुपयोग करने वालों के लिए एक चेतावनी भी है कि जब तक हम संवैधानिक लोकतंत्र बने रहेंगे, व्यक्तिगत स्वतंत्रता को राजनीतिक प्रतिशोध के लिए बलिदान नहीं किया जा सकता।

झूठ चाहे कितना भी भयानक क्यों न लगे, सत्य की ही जीत होती है। सत्यमेव जयते! कल ही, भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा को कथित तौर पर जाली दस्तावेजों से निशाना बनाने के आरोपों के संबंध में गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान की। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और अतुल एस चंदुरकर की पीठ ने कहा कि यह विवाद फिलहाल राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रतीत होता है और हिरासत में पूछताछ को उचित नहीं ठहराता।

मतगणना केंद्र पर राज्य सरकार का कर्मचारी होना जरूरी : सिब्बल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव की पारदर्शिता को लेकर वरिष्ठ वकील और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वोटों की गिनती के दौरान हर टेबल पर राज्य सरकार का एक कर्मचारी होना बहुत जरूरी है, ताकि सभी पार्टियों को बराबरी का मौका मिल सके। वहीं, दक्षिण 24 परगना जिले के फाल्टा इलाके के हसिमनगर गांव में शनिवार को सैकड़ों ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इन लोगों का कहना है कि वोटों की गिनती (4 मई) के बाद उन्हें जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। कपिल सिब्बल ने कहा है कि वोटों की गिनती के दौरान हर टेबल पर राज्य सरकार का एक कर्मचारी होना बहुत जरूरी

है, ताकि सभी पार्टियों को बराबरी का मौका मिल सके। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां अदालत ने साफ कहा कि चुनाव आयोग को यह अधिकार है कि वह तय करे कि गिनती के दौरान कौन कर्मचारी तैनात होंगे। अदालत ने चुनाव आयोग के सर्कुलर को गलत नहीं माना।

चुनाव आयोग का कहना है कि गिनती के दौरान केंद्रीय और राज्य, दोनों तरह के कर्मचारियों की मौजूदगी रहेगी। आयोग ने भरोसा दिलाया है कि पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होगी। कपिल सिब्बल का कहना है कि अगर हर टेबल पर राज्य सरकार का कर्मचारी भी रहेगा, तो किसी भी राजनीतिक पक्ष को पक्षपात का डर नहीं रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि जब पूरी प्रक्रिया रिकॉर्ड होती है, तो गड़बड़ी की आशंका नहीं होनी चाहिए।

उधर, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्थानीय पंचायत प्रधान इसराफिल, जो टीएमसी उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी बताए जा रहे हैं, उनके समर्थकों को डराने–धमकाने का काम कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय का फैसला तृणमूल कांग्रेस के इरादों पर सवालिया निशान: भाजपा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उच्चतम न्यायालय द्वारा तृणमूल कांग्रेस की याचिका खारिज किये जाने का स्वागत करते हुए इसे राजनीतिक और नैतिक नज़रिए से पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी (तृणमूल) के इरादों पर गंभीर सवालिया निशान बताया है। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में वोटों की गिनती के दौरान पर्यवेक्षक के तौर पर केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम के कर्मचारियों की तैनाती के चुनाव आयोग के आदेश को शीर्ष

अदालत में चुनौती दी थी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी इस मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा, ष उच्चतम न्यायालय ने आज तृणमूल की याचिका को खारिज कर दिया और चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह के दखल से साफ इनकार कर दिया। यह ध्यान देने लायक बात है कि न्यायालय में तृणमूल कांग्रेस की ओर श्री कपिल सिब्बल की याचिका दायर की थी और दलीले पेश की, लेकिन शीर्ष अदालत ने उनकी याचिका खारिज कर दी। श्री सिब्बल उन कई आतंकवादियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं जिन्होंने श्री राम लल्ला विराजमान के खिलाफ बाबरी मस्जिद एक्शन कमेटी का मुकदमा लड़ा था और जिनका राजनीतिक झुकाव तृणमूल की तरफ है।

महिला पानी की टंकी पर चढ़ी, पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने पर अड़ी

प्रयागराज। पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एक महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। नीचे तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस उससे उतरने की गुजारिश करती रही लेकिन वह बिना केस दर्ज किए नीचे आने के लिए तैयार नहीं हुई

पति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर एक महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई। नीचे तमाशबीनों की भीड़ जमा हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस उससे उतरने की गुजारिश करती रही लेकिन वह बिना केस दर्ज किए नीचे आने के लिए तैयार नहीं हुई। उसका पति थाने में बैठा रहा। महिला टंकी पर से कूदने की धमकी देती रही। फाफामऊ बाईपास मोहल्ले में रहने वाली एक महिला ने मुस्लिम युवक से शादी की है।

मोहल्ले वालों की मानें तो आए दिन इनका मोहल्ले में किसी न किसी से विवाद होता रहता है। कुछ दिन पहले पुलिसकर्मियों से भी दंपती ने मारपीट कर ली थी। जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। शनिवार को दंपती के बीच ही कहासुनी हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि महिला अपने पति के खिलाफ ही केस दर्ज कराने के लिए थाने पहुंच गई। पुलिस ने केस लिखने में आनाकानी की तो महिला पास के एक पानी की टंकी पर चढ़ गई और कूदने की धमकी देने लगी। यह देख मोहल्ले वालों की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पाकर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने काफी समझाने का प्रयास किया लेकिन महिला नीचे उतरने के लिए तैयार नहीं हुई। उसका कहना है कि एफआईआर होने के बाद ही वह नीचे आएगी नहीं तो कूदकर जान दे देगी। पुलिस के अनुसार महिला आए दिन विवाद करती रहती है। कुछ दिन पहले इसने लखनऊ में भी कुछ लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

सूरत के उधना के लिए चलेगी तीन स्पेशल ट्रेन, रेलवे ने जारी की समय सारिणी

प्रयागराज। सूरत के उधना के लिए तीन स्पेशल ट्रेन चलेगी। इनका संचालन मधुबनी, झंझारपुर और समस्तीपुर के लिए होगा। तीनों का छिवकी रेलवे स्टेशन पर ठहराव रहेगा। सूरत के उधना के लिए तीन स्पेशल ट्रेन चलेगी। इनका संचालन मधुबनी, झंझारपुर और समस्तीपुर के लिए होगा। तीनों का छिवकी रेलवे स्टेशन पर ठहराव रहेगा। गाड़ी-09041 दो मई की रात 11रू30 बजे चलकर अगली रात 9रू25-9रू30 बजे छिवकी एवं चार मई की दोपहर 1रू30 बजे मधुबनी पहुंचेगी।इसी तरह 09042 मधुबनी से चार मई की दोपहर 12रू35 बजे चलकर अगली सुबह 6रू40 बजे छिवकी एवं छह मई की सुबह उधना पहुंच जाएगी। वहीं, उधना से झंझारपुर के लिए तीन मई की रात 1रू30 बजे चलकर ट्रेन अगली रात 12रू25-12रू30 बजे छिवकी और शाम 5रू00 बजे झंझारपुर आएगी। झंझारपुर से 09046 का संचालन चार मई की शाम 7रू30 बजे होगा। अगली सुबह 8रू55 बजे ट्रेन प्रयागराज छिवकी एवं छह मई की सुबह 7रू45 बजे उधना पहुंच जाएगी। इसी तरह 09047 उधना से तीन मई की सुबह पांच बजे चलकर अगले दिन 5रू25-5रू30 बजे प्रयागराज छिवकी एवं शाम 6रू00 बजे समस्तीपुर पहुंचेगी। उधर, समस्तीपुर से 09048 चार मई की रात 8रू30 बजे चलकर अगली सुबह 6रू55 बजे प्रयागराज छिवकी एवं छह मई सुबह 6रू45 बजे वापस उधना पहुंचेगी।

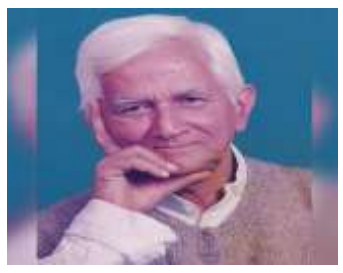

जयंती पर विशेषः मार्कण्डेय ने गांव में लिखी 'गुलरा के बाबा', दुष्यंत ने खुद टाइप कराई अमर कहानी

प्रयागराज। कथाकार मार्कण्डेय को हिंदी साहित्य के आकाश पर उनकी कहानी 'गुलरा के बाबा' से एक अलग पहचान मिली थी। दिलचस्प बात यह है कि कहानी पहली बार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गंगानाथ झा छात्रावास में पढ़ी गई। सुनने वालों में थे दुष्यंत कुमार और कमलेश्वर। कथाकार मार्कण्डेय को हिंदी साहित्य के आकाश पर उनकी कहानी 'गुलरा के बाबा' से एक अलग पहचान मिली थी। दिलचस्प बात यह है कि कहानी पहली बार इलाहाबाद विश्वविद्यालय के गंगानाथ झा छात्रावास में पढ़ी गई। सुनने वालों में थे दुष्यंत कुमार और कमलेश्वर। दुष्यंत कुमार तो इतने प्रभावित हुए कि पांडुलिपि लेकर खुद इसे टाइप कराने की जिम्मेदारी उठा ली। उन्होंने प्रसिद्ध पत्रिका में प्रकाशित करवाने के लिए कहानी भिजवा दिया। लगभग इसी

कालखंड में कमलेश्वर और मोहन राकेश के साथ मार्कण्डेय नई कहानी के पुरोधा के रूप में स्थापित हो गए थे। कथाकार मार्कण्डेय की जन्म जयंती (2 मई) के अवसर पर साहित्यकार रविनंदन सिंह ने दुष्यंत कुमार के साथ उनकी दोस्ती और प्रसिद्ध कथाओं के पीछे की कहानियां साझा की हैं। मार्कण्डेय जब 1942 में 12वीं में पढ़ रहे थे तब गांधीजी के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन चल रहा था। मार्कण्डेय ने अपनी साहित्यिक यात्रा का उल्लेख करते हुए पत्रिका कथा के एक अंक में लिखा था, उन दिनों मैं गांव में था। एक महिला का इकलौता जवान लड़का 1942 के आंदोलन में बलिदान हो गया। गर्मी की छुट्टियों में कॉलेज से जौनपुर अपने घर गया तो उस बूढ़ी स्त्री से मिलकर उदास हो गया। इस तनाव में मैंने एक कहानी शहीद की मां लिख दी। दूसरे हफ्ते ही वह कहानी एक प्रतिष्ठित अखबार में छप गई। यहीं से कहानी लेखन का सिलसिला शुरू हुआ जो फिर कभी नहीं रुका। मार्कण्डेय का जन्म 2 मई 1930 को जौनपुर के बराई नामक गांव के एक किसान परिवार में हुआ था। कई विद्वान उनकी जन्मतिथि 5 मई भी मानते हैं। प्रयागराज में बीए करने के दौरान कमलेश्वर और दुष्यंत कुमार संग उनकी तिकड़ी बहुत प्रसिद्ध थी, जिसे समकालीनों ने त्रिशूल नाम दिया था। उन्होंने वर्ष 1948 से हिंदी साहित्य में एमए किया। पत्रिका बरगद के एक अंक में उन्होंने लिखा था, मुझे अच्छी तरह याद आता है कि एक बार गर्मियों की छुट्टी के बाद मैं गांव से गुलरा के बाबा नाम की कहानी लिख कर लाया था। मैंने सबसे पहले उसे दुष्यंत और कमलेश्वर को गंगानाथ झा छात्रावास में पढ़कर सुनाया। दुष्यंत को रचनाओं की गहरी समझ थी। खुद तो वह कथा-साहित्य नहीं लिखते थे लेकिन किसी कमजोर कहानी को पकड़ लेने में उन जैसा सिद्धहस्त कोई दूसरा नहीं देखा। मुझे याद है कि गुलरा के बाबा कहानी सुनकर वह इतना प्रसन्न हुए थे कि मूल पांडुलिपि लेकर उसे टाइप कराने खुद चले गए। कमलेश्वर और दुष्यंत दोनों डेलीगेसी के छात्र थे। दोनों विश्वविद्यालय गंगानाथ झा छात्रावास आते थे, जहां के मार्कण्डेय अतरूवासी थे।

मार्कण्डेय का रचना संसार

उपन्यासः अग्निबीज तथा सेमल के फूल

कहानी-संग्रहः पान फूल, महुए का पेड़, हंसा जाई, अकेला, भूदान, माही, सहज और शुभ, बीच के लोग उल्लेखनीय है।

कविता संग्रहः सपने तुम्हारे थे,

एकांकी संग्रहः पत्थर और परछाइयां तथा आलोचना पुस्तक कहानी की बात अत्यंत प्रसिद्ध हुए।

अंग्रेजों के जमाने का हथकंडा न अपनाएं, भगोड़ों को पकड़ने के लिए रिश्तेदारों को परेशान करना बंद करें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भगोड़े अपराधी को पकड़ने के लिए उसके रिश्तेदारों को परेशान करना अनुचित और असांविधानिक है। अपराधियों की तलाश के लिए उनके परिजनों को थाने बुलाकर मानसिक दबाव डालना अंग्रेजों के जमाने का तरीका है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भगोड़े अपराधी को पकड़ने के लिए उसके रिश्तेदारों को परेशान करना अनुचित और असांविधानिक है। अपराधियों की तलाश के लिए उनके परिजनों को थाने बुलाकर मानसिक दबाव डालना अंग्रेजों के जमाने का तरीका है। यह सांविधानिक ढांचे के खिलाफ है।

यह टिप्पणी करते हुए हाईकोर्ट ने पुलिस को याची कैप्टन मंगल सिंह (रिटायर्ड) के घर दबिश देने या उन्हें परेशान करने पर रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने दिया है। कानपुर नगर के बर्रा थाना क्षेत्र निवासी सेवानिवृत्त

कैप्टन मंगल सिंह ने याचिका दायर कर सुरक्षा की गुहार लगाई।

याची का कहना था कि उनका बेटा संदीप तोमर पंजाब में हत्या के एक मामले में दोषी करार दिया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद से फरार चल रहा था। ऐसे में पंजाब पुलिस की सूचना पर स्थानीय कानपुर पुलिस ने संदीप की तलाश में उनके घर में छापेमारी कर उन्हें बार-बार पुलिस चौकी और थाने बुलाकर प्रताड़ित कर रही है।

उन्नति तकनीकी के बावजूद पुलिस रिश्तेदारों को कर रही प्रताड़ित

हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि आज के डिजिटल युग में जब पुलिस के पास किसी व्यक्ति का पता लगाने के लिए उन्नत तकनीकी साधन मौजूद हैं। ऐसे में रिश्तेदारों को प्रताड़ित करने जैसा अंग्रेजों के जमाने का हथकंडा न अपनाएं। सुनवाई के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि पंजाब पुलिस ने वांछित संदीप तोमर को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। इस पर कोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए एसएचओ गुजेनी को चेतावनी दी कि भविष्य में याची की निजता का उल्लंघन न किया जाए।

यह भी कोर्ट ने कहा कि यदि भविष्य में संदीप तोमर पैरोल या जमानत पर बाहर आता है और शर्तों का उल्लंघन करता है, तब भी पुलिस को उसके माता-पिता के घर अचानक छापेमारी करने का कोई अधिकार नहीं होगा। कोर्ट ने इस आदेश की प्रति पुलिस कमिश्नर और संबंधित थाना प्रभारी को अनुपालन के लिए भेजने का निर्देश दिया है।

एसआरएन अस्पताल से भागने वाले हत्यारोपी समेत दो सिपाहियों पर एफआईआर दर्ज

प्रयागराज। एसआरएन अस्पताल से हत्यारोपी के फरार होने के मामले में शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी बाबूलाल वर्मा (45) और लापरवाही बरतने पर प्रतापगढ़ महेशगंज थाने के कांस्टेबल विनय कुमार और रानीगंज थाने के हेड कांस्टेबल शिवाजी की ड्यूटी बंदी बाबूलाल वर्मा की अभिरक्षा में लगाई गई थी।

30 अप्रैल की रात बंदी के तरफ शुक्रवार को जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा। जेल अधीक्षक के पत्र का संज्ञान लेकर पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने बंदी की अभिरक्षा में ड्यूटी कर रहे प्रशासन ने कड़ी निगरानी में उसे राजा प्रताप बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे प्रयागराज के एसआरएन अस्पताल रेफर कर दिया गया था। पुलिस के पुलिस के दो सिपाहियों विनय कुमार और शिवाजी पर एफआईआर दर्ज की है।

एसआरएन अस्पताल से हत्यारोपी के फरार होने के मामले में शुक्रवार को कोतवाली पुलिस ने आरोपी बाबूलाल वर्मा (45) और लापरवाही बरतने पर प्रतापगढ़ पुलिस के दो सिपाहियों विनय कुमार और शिवाजी पर एफआईआर दर्ज की है। दोनों सिपाहियों को पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर ने निलंबित कर दिया है। जेल अधीक्षक रिषभ द्विवेदी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि अचानक तबीयत बिगड़ने पर हत्या के आरोपी बाबूलाल वर्मा को एसआरएन अस्पताल ले जाया गया था। एसआरएन अस्पताल से फरार होने की जानकारी मिली। इसमें दोनों सिपाहियों की लापरवाही सामने आई है। कोतवाली थाना प्रभारी नितेंद्र शुक्ला ने बताया कि जेल अधीक्षक की तहरीर पर एफआईआर दर्ज की गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए जगह-जगह दबिश जा रही है, पुलिस जल्द ही आरोपी को पकड़ लेगी। वहीं, दूसरी दोनों पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया है।

25 अप्रैल की रात में बिगड़ी थी हालत

अंतू थाना क्षेत्र के चौबेपुर निवासी बाबूलाल (45) अपने ही बेटी की हत्या के आरोप में दिसंबर 2025 से जिला कारागार में बंद था। 25 अप्रैल की रात 9रू30 बजे उसकी हालत बिगड़ गई। जेल अनुसार, बाबूलाल ने पत्नी और उसके प्रेमी को हत्या के आरोप में फंसाने के लिए 10 वर्षीय बेटे की गला दबाकर हत्या कर दी थी।

बच्ची से यौन शोषण का आरोपी भी हुआ था फरार

21 अप्रैल को जिला कारागार प्रतापगढ़ से सिपाही मगन शर्मा और अनुज कुमार बच्ची से यौन शोषण के एक आरोपी को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए एसआरएन अस्पताल लेकर आए थे। शाम करीब 6रू15 बजे आरोपी अस्पताल से फरार हो गया था। कोतवाली पुलिस ने आरोपी समेत दोनों सिपाहियों पर एफआईआर दर्ज की थी। इसके बाद 25 अप्रैल को आरोपी को पुलिस ने प्रतापगढ़ में मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया था।

अल्पसंख्यक बहुल इलाकों में मिल सकती है 20 नए राजकीय महाविद्यालयों की सौगात

प्रयागराज। मई माह में ही अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 20 नए राजकीय महाविद्यालयों की सौगात मिल सकती है। इसके लिए उच्च शिक्षा निदेशालय पद सृजन और विषय संचालन को लेकर डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने में जुटा है। मई माह में ही अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में 20 नए राजकीय महाविद्यालयों की सौगात मिल सकती है। इसके लिए उच्च शिक्षा

निदेशालय पद सृजन और विषय संचालन को लेकर डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार करने में जुटा है। अगले सप्ताह मुख्यमंत्री के समक्ष इसकी प्रस्तुति प्रस्तावित है। इन महाविद्यालयों के शुरू होने के बाद प्रदेश में राजकीय महाविद्यालयों की संख्या बढ़कर 236 हो जाएगी। ये महाविद्यालय प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में स्थापित किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार प्रयागराज, मेरठ, लखनऊ, बरेली और गोरखपुर मंडल के विभिन्न जिलों में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा करीब 10 करोड़ रुपये प्रति महाविद्यालय की लागत से भवन निर्माण कराया गया है। इनमें से लगभग 10 महाविद्यालयों के भवन वर्ष 2025 में उच्च शिक्षा निदेशालय को हस्तांतरित किए जा चुके हैं, लेकिन अब तक इनमें शैक्षणिक गतिविधियां शुरू नहीं हो सकी हैं। हाल ही में यह मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया, जिसके बाद उच्च शिक्षा विभाग को आवश्यक प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रतापगढ़, सीतापुर, उन्नाव, गाजियाबाद, मेरठ, बुलंदशहर, बिजनौर, शामली, संतकबीरनगर, रामपुर, आजमगढ़, बलरामपुर, मुजफ्फरनगर और गौतमबुद्धनगर समेत 15 जिलों के विभिन्न स्थानों पर महाविद्यालयों के भवन तैयार हो चुके हैं या निर्माणाधीन हैं। सहायक निदेशक (प्लान) डॉ. एसके पांडेय के अनुसार, अल्पसंख्यक क्षेत्रों में 20 महाविद्यालयों के निर्माण का कार्य चल रहा है। इसमें 10 भवन उच्च शिक्षा निदेशालय को हस्तांतरित हो चुके हैं। पद सृजन और विषय संचालन के लिए डीपीआर तैयार कर लिया गया है, जिसे जल्द ही मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश के 15 जिलों में महाविद्यालय लगभग तैयार हैं। अधिकांश का हस्तांतरण भी हो चुका है। प्रस्तुतीकरण के बाद इन्हें राजकीय महाविद्यालयों में परिवर्तित कर इसी सत्र से आर्ट्स, कॉमर्स और साइंस की पढ़ाई शुरू करने की योजना है। -डॉ. बीएल शर्मा, निदेशक उच्च शिक्षा

धार्मिक स्वतंत्रता असीमित नहीं, सार्वजनिक व्यवस्था और शांति सर्वोपरि

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता असीमित नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है। स्वतंत्रता हमेशा दूसरों के प्रति जिम्मेदारी के साथ आती है। किसी एक व्यक्ति की आजादी वहां समाप्त हो जाती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता असीमित नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य के अधीन है। स्वतंत्रता हमेशा दूसरों के प्रति जिम्मेदारी के साथ आती है। किसी एक व्यक्ति की आजादी वहां समाप्त हो जाती है, जहां से वह दूसरे को प्रभावित करना शुरू कर देती है। यह टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने अपनी कथित निजी भूमि पर नमाज पढ़ने के लिए सुरक्षा व अनुमति मांगने वाली याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने असीन की याचिका पर दिया है। संभल निवासी याची ने ग्राम इकोना में अपनी कथित निजी भूमि पर नियमित नमाज के लिए सुरक्षा और अनुमति की मांग करते हुए याचिका दायर की थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद निजी और सार्वजनिक भूमि के उपयोग के बीच के अंतर को परिभाषित किया है। कोर्ट ने कहा कि सार्वजनिक भूमि आम उपयोग के लिए होती है। ऐसे में किसी व्यक्ति या समूह को नियमित धार्मिक गतिविधि का विशेष अधिकार नहीं दिया जा सकता। साथ ही कहा कि निजी संपत्ति या घर में व्यक्तिगत और सीमित धार्मिक गतिविधियों की अनुमति है। उसे बड़े स्तर पर सामूहिक धार्मिक स्थल में बदलने की छूट नहीं दी जा सकती।

ग्रुप डी के प्रतीक्षारत अभ्यर्थियों की मुराद पूरी, रिप्लेसमेंट पैनल जारी

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे ने वर्ष 2019 की लेवल-वन (ग्रुप डी) भर्ती के प्रतीक्षारत उम्मीदवारों के लिए खुशियों की सौगात दी है। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) ने 10वें चरण के दस्तावेज सत्यापन के बाद रिक्त रह गए पदों को भरने के लिए प्रोविजनल रिप्लेसमेंट पैनल घोषित कर दिया है। उत्तर मध्य रेलवे ने वर्ष 2019 की लेवल-वन (ग्रुप डी) भर्ती के प्रतीक्षारत उम्मीदवारों के लिए खुशियों की सौगात दी है। रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ (आरआरसी) ने 10वें चरण के दस्तावेज सत्यापन के बाद रिक्त रह गए पदों को भरने के लिए प्रोविजनल रिप्लेसमेंट पैनल घोषित कर दिया है। इस महत्वपूर्ण निर्णय से उन अभ्यर्थियों को बड़ी राहत मिली है, जो लंबे समय से अपनी नियुक्ति का इंतजार कर रहे थे।

आरआरसी द्वारा जारी की गई नई सूची में कुल 27 उम्मीदवारों के रोल नंबर शामिल किए गए हैं। इन अभ्यर्थियों का चयन उनकी मेरिट और चिकित्सा परीक्षण में सफल पाए जाने के आधार पर किया गया है। उत्तर मध्य रेलवे की विभिन्न मंडल इकाइयों से मिली मांग के अनुसार इन चयनितों का आवंटन भी कर दिया गया है। इस बार आगरा मंडल को सबसे अधिक 14 नए कर्मचारी मिले हैं। इसके अलावा प्रयागराज मंडल के लिए छह, झांसी मंडल के लिए चार और ब्रिज लाइन के लिए तीन उम्मीदवारों का चयन हुआ है। बता दें यह पूरी चयन प्रक्रिया कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी), शारीरिक दक्षता परीक्षा और गहन दस्तावेज सत्यापन के चरणों से गुजरने के बाद संपन्न हुई है। चयनित अभ्यर्थी अपना परिणाम और संबंधित जानकारी रेलवे भर्ती प्रकोष्ठ की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। इस पैनल के जारी होने से रेलवे में रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया में तेजी आएगी और रेल संचालन को भी मजबूती मिलेगी।

एआई और डॉक्टर का योग है नोस्ताविया, हेल्थ स्कोर से बताएगा स्वस्थ हैं या बीमार

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के छात्र आदित्य सिंह और अनुष्का गुप्ता ने स्वास्थ्य से जुड़ा एआई आधारित प्लेटफॉर्म नोस्ताविया बनाया है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के छात्र आदित्य सिंह और अनुष्का गुप्ता ने स्वास्थ्य से जुड़ा एआई आधारित प्लेटफॉर्म नोस्ताविया बनाया है। इसके माध्यम से बीमारी की पहचान और उसका उपचार दोनों संभव है। इस नवाचार को हाल ही में संकल्प-2026 कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया था। नोस्ताविया का उद्देश्य केवल बीमारी पहचानना नहीं बल्कि उसे जड़ से समाप्त करना है। यह खून जांच की रिपोर्ट के आधार पर 100 से ज्यादा बायोमार्कर (शरीर में होने वाली सामान्य जैविक प्रक्रियाओं, रोगजनक प्रक्रियाओं या उपचार के प्रति प्रतिक्रिया के मापने योग्य संकेत) का अध्ययन करता है और उन्हें हेल्थ स्कोर में बदलकर शरीर के बीमार या स्वस्थ होने की जानकारी देता है। खास बात यह है कि इसमें केवल एआई ही नहीं बल्कि डॉक्टर भी जुड़े होते हैं। जहां एआई डेटा का अध्ययन करता है वहीं डॉक्टर उस जानकारी के आधार पर उपयोगकर्ता की निगरानी और उसका मार्गदर्शन करते हैं।

देता है डाइट टिप्स व कार्ययोजना

प्लेटफॉर्म पर मौजूद एआई खून जांच की रिपोर्ट, स्मार्टवॉच का डेटा और खानपान की पूरी तस्वीर तैयार कर 12 हफ्तों की कार्ययोजना देता है। इसमें डाइट, जीवनशैली और फिटनेस के टिप्स शामिल होते हैं। इसके माध्यम से उपयोगकर्ता किसी भी भोजन की फोटो अपलोड कर उसके शरीर पर पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकता है। मधुमेह, फैटी लिवर और हृदय रोग जैसी समस्याओं की जड़ इंसुलिन प्रतिरोध और सूजन में होती है। नोस्ताविया इसके समाधान की दिशा में काम कर रहा है इसका उपयोग वेबसाइट नोस्ताविया हेल्थ और इसके एप के माध्यम से किया जा सकता है।

होटल और शादियों का बिगड़ा बजट, दोगुने हो गए कमर्शियल सिलिंडर के दाम

प्रयागराज। तेल कंपनियों की ओर से बृहस्पतिवार को कमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतों में की गई वृद्धि से लोगों का आर्थिक समीकरण बिगड़ सकता है। 993 रुपये की बढ़ोतरी के साथ जनवरी से अब तक सिलिंडर की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। तेल कंपनियों की ओर से बृहस्पतिवार को कमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतों में की गई वृद्धि से लोगों का आर्थिक समीकरण बिगड़ सकता है। 993 रुपये की बढ़ोतरी के साथ जनवरी से अब तक सिलिंडर की कीमत लगभग दोगुनी हो गई है। अप्रैल माह में जो कमर्शियल सिलिंडर 2254 रुपये में मिल रहा था, उसकी कीमत अब बढ़कर 3247 रुपये हो गई है। इस झटके से न केवल औद्योगिक क्षेत्र बल्कि वैवाहिक आयोजनों और खान पान के कारोबार पर बड़ा असर पड़ेगा। पांच किलो वाले छोटे सिलिंडर के दाम में भी 261 रुपये का इजाफा किया गया है, जिसके बाद अब यह 589 रुपये की जगह 850 रुपये में मिलेगा। गहरा असर होटल एवं रेस्टोरेंट कारोबार पर पड़ेगा। आने वाले दिनों में रेस्टोरेंट में खाना और नाश्ता महंगा होना तय माना जा रहा है। प्रयागराज होटल एवं रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने सरकार के इस कदम पर गहरी निराशा व्यक्त की है। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मांग की है कि इस जनविरोधी निर्णय पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए ताकि उद्योगों को राहत मिल सके। कमर्शियल सिलिंडर के बढ़े दाम ने उन परिवारों की चिंता भी बढ़ा दी है जिनके घरों में शादियां हैं। वैवाहिक सीजन के बीच सिलिंडर के दामों में तकरीबन एक हजार रुपये की बढ़ोतरी होने से कैटरिंग का खर्च बढ़ गया है। उदाहरण के तौर पर, यदि एक शादी में औसत दस सिलिंडर की खपत होती है, तो परिवार का बजट सीधे तौर पर 10,000 बढ़ जाएगा। स्थानीय उद्योगों पर भी इसके दूरगामी परिणाम देखने को मिल सकते हैं, क्योंकि ऊर्जा लागत बढ़ने से उत्पादन महंगा होगा और बाजार में प्रतिस्पर्धा करना कठिन हो जाएगा।

होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे और यहां तक कि सड़क किनारे लगने वाली रेहड़ी-पटरी वालों का मुख्य खर्च ईंधन ही होता है। सिलिंडर के दाम बढ़ने से थाली, स्नैक्स और चाय-कॉफी के दाम बढ़ना तय है। - हरजिंदर सिंह, अध्यक्ष प्रयागराज होटल एवं रेस्टोरेंट वेलफेयर एसोसिएशन

क्या कहते हैं कारोबारी

जो लोग ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से खाना मंगवाते हैं या बेकरी (ब्रेड, बिस्किट, केक) उत्पादों का इस्तेमाल करते हैं, उन्हें भी अधिक कीमत चुकानी होगी क्योंकि इन व्यवसायों में भारी मात्रा में कमर्शियल गैस का उपयोग होता है। - महेंद्र गोयल, प्रदेश अध्यक्ष, कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स

एमएसएमई सेक्टर और छोटे कारखाने जो एलपीजी का उपयोग करते हैं, उनकी उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। जब सामान बनाने की लागत बढ़ेगी, तो वे उत्पाद बाजार में महंगे बिकेंगे। - राजीव नायर, अध्यक्ष नैनी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन

8वाँ सामाजिक सत्याग्रह आज

देवस्थान, तालाब सहित काश्तकारों की भूमि का होगा पृथक सीमांकन

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में 8वाँ सामाजिक सामूहिक सत्याग्रह आज 3 मई को आयोजित है। मांग के प्रथम चरण में राजस्व विभाग द्वारा देवस्थान सहित तालाब और अन्य काश्तकारों की भूमि की अलग–अलग चिन्हांकित कर पैमाइश होगी। यह जानकारी देते हुए भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के महासचिव डॉ. समाज शेखर ने

प्रसिद्ध पांडव कालीन एतिहासिक, धार्मिक एवं पर्यटक स्थल
बाबा भयहरणनाथ धाम
"राजस्व अभिलेखों में दर्ज धाम की वर्तमान भूमि व प्राचीन सार्वजनिक व सामलाती भूमि को कब्जा मुक्त कराने हेतु"
सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह
15 मार्च 2026 से प्रत्येक रविवार को अनवरत जारी
आयोजक : भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान
सहभागी - समस्त क्षेत्रीय समाज के नागरिक व भक्तगण

बताया कि धाम प्रसिद्ध पर्यटक स्थल के साथ–साथ पुरातत्व विभाग द्वारा पंजीकृत देवस्थान व बहुमूल्य धरोहर है। पुरातत्व विभाग ने प्रमाणपत्र संख्या 003188 दिनांक 20/10/2010 द्वारा धाम के शिवलिंग को पुरावशेष अधिनियम 1972 के तहत पंजीकृत किया है। डॉ. शेखर ने कहा कि राजस्व सहायक समन्वयक अधिकारी, प्रतापगढ़ ने 13/12/2019 को 22/9/2018 के फर्जी पट्टे को शून्य कर दिया था। जिलाधिकारी, प्रतापगढ़ ने 19/9/2020 को अवैध कब्जा हटाने का आदेश भी दिया था, जिस पर अमल लंबित है। संस्थान ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक, प्रतापगढ़ को पत्र देकर पैमाइश हेतु आवश्यक पुलिस बल व राजस्व कर्मियों की मांग की है।

ब्वॉयज हाईस्कूल एंड कॉलेज के कार्तिकेय सिंह को मिला 94.5 प्रतिशत अंक

प्रयागराज। काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट

एग्जामिनेशन्स (सीआईएससीई) के गुरुवार को घोषित परिणाम में ब्वॉयज हाईस्कूल एंड कॉलेज में इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आईसीएसई या 12वीं) में कार्तिकेय सिंह ने 94.5 प्रतिशत अंक लाकर अपने भविष्य का परिचय दिया है। कार्तिकेय की मां शिक्षिका सुनीता सिंह जी है जो सेंट जोसेफ कॉलेज में बच्चों को बहुत सरलता से पाठ्यक्रम करती है उन्होंने और अन्य शिक्षकों एवं मित्रों ने कार्तिकेय को बधाई दी।

कुंवर ज्योति प्रसाद वार्ड में निःशुल्क जनसुविधा कैंप

लखनऊ (संवाददाता)। राजाजीपुरम् क्षेत्र में स्थित कुंवर ज्योति प्रसाद वार्ड की पार्षद गौरी सांवरिया अनेक जन सुविधाओं की निःशुल्क सेवा कर रही है। पार्षद कार्यालय एफ–2234, राजाजीपुरम् निकट नवजीवन अस्पताल पर इसका आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद शिवपाल सांवरिया ने बताया कि कैंप के माध्यम से 70 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनाया जा रहा है। इसके लिये लाभार्थी को 2011 की जनगणना में होना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त कैंप में जीरो बैलेन्स बैंक खाता, पैन कार्ड, राशन कार्ड, हेल्थ कार्ड जैसी अनेक जन सुविधाओं की निःशुल्क सहायता व सेवा प्रदान की जा रही है। जन सुविधाओं का लाभ लेने के लिये उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कैंप में आने की अपील की।

लुलु मॉल के लुलु फनटुरा में हाइपर ग्रिड गेम का भव्य उद्घाटन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के प्रतिष्ठित लुलु मॉल स्थित लुलु फनटुरा में आज एक नए और अत्याधुनिक गेम ष्हाइपर ग्रिडष् का भव्य उद्घाटन किया गया। यह इनोवेटिव और इंटरएक्टिव गेमिंग कॉन्सेप्ट शहरवासियों, विशेषकर युवाओं और परिवारों के लिए एक रोमांचक और अनोखा मनोरंजन अनुभव लेकर आया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय विधायक एवं एस. आर. ग्लोबल स्कूल के चेयरमैन, पवन सिंह चौहान उपस्थित रहे। उन्होंने विधिवत फीता काटकर हाइपर ग्रिड गेम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान (फेलिसिटेशन) किया गया।इस अवसर पर लुलु ग्रुप के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें श्री जयकुमार गंगाधरन–डायरेक्टर, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली,श्री नोमान अजीज खान रीजनल डायरेक्टर, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना एवं दिल्ली, तथाश् री वसीम अहमद खान–ऑपरेशन्स मैनेजर, लुलु फनटुरा विशेष रूप से उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी गणमान्य अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री पवन सिंह चौहान ने कहा कि हाइपर ग्रिड जैसे आधुनिक और इनोवेटिव गेम लखनऊ में मनोरंजन के स्तर को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और युवाओं को एक नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।श्री जयकुमार गंगाधरन ने कहा कि लुलु फनटुरा हमेशा से ग्राहकों को विश्वस्तरीय मनोरंजन अनुभव देने के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और हाइपर ग्रिड इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। श्री नोमान अजीज खान ने अपने विचार रखते हुए कहा कि यह नई गेमिंग सुविधा लखनऊ के मनोरंजन परिदृश्य में एक नया आयाम जोड़ेगी और परिवारों के लिए एक आकर्षक डेस्टिनेशन बनेगी। श्री वसीम अहमद खान ने हाइपर ग्रिड गेम की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ष्यह एक हाई– एनर्जी, इंटरएक्टिव गेम है, जो खिलाड़ियों की गति, प्रतिक्रिया क्षमता और टीमवर्क को परखता है, और सभी आयु वर्ग के लिए बेहद रोमांचक अनुभव प्रदान करता है।

राष्ट्रीय विकल्प मोर्चा, व्यवस्था परिवर्तन और वैचारिक पुनर्जागरण का आह्वान

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान राष्ट्रीय विकल्प मोर्चा के संरक्षक एवं अध्यक्ष एडवोकेट अनिल कुमार मिश्र ने संगठन की औपचारिक घोषणा करते हुए देश के वर्तमान परिदृश्य पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मोर्चा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि देश में बुनियादी व्यवस्था परिवर्तन का एक संकल्प है। अनिल कुमार मिश्र ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्र अराजक कानूनों और तानाशाही रवैये से त्रस्त है।

दार्शनिक बालविकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

पिठापुरम। श्री विश्वविद्यालय विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाहने कहा कि बचपन से आध्यात्मिक दर्शन सीखने से बच्चों को भविष्य में अच्छे नागरिक बनने में मदद मिलेगी।

श्री विश्वविद्यालय विद्या आध्यात्मिक पीठम पिठापुरम के तत्वाधान में शनिवार को दार्शनिक बाल विकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर उद्घाटन ज्योति प्रज्वलन कर करने के उपरांत अपने उद्गार व्यक्त करते हुए डॉ. उमर अली शाह ने उक्त बातें कही।

2 से आगामी 9 मई तक विनिश्चित प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि यदि कोई दार्शनिक बालविकास के माध्यम से प्रशिक्षित हो और समय का उपयोग करके जीवन के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करे, तो हर कोई जीवन में उच्च स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को हर वर्ष पीठम द्वारा आयोजित इस तात्विक बालविकास ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर में ज्ञान, मनोरंजन, नया उत्साह और बहुआयामी विकास मिलता है और वे अपनी शिक्षा में काफी प्रगति कर रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से ग्रीष्मकालीन छुट्टियों को बर्बाद किए बिना अपने कौशल को सामने लाने और समय का सदुपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आज की प्रतिस्पर्धा की दुनिया में, व्यक्ति को उच्च महत्वाकांक्षाएं निर्धारित करनी चाहिए और लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत के साथ एक ऋषि के रूप में

परिपक्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अच्छे कर्म करने में कई बाधाएं आती हैं, जबकि बुरे कर्म करना बहुत आसान है। लेकिन दार्शनिक बालविकास अच्छे गुणों को विकसित करने और दार्शनिक ज्ञान के साथ बेहतर नागरिक बनने में मदद करता है। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उमर अली शाह पब्लिक स्कूल के करेस्पांडेंट डॉ. हुसैन शाह ने कहा कि जिस तरह एक मूर्तिकार पत्थर को तराशकर मूर्ति का आकार देता है, उसी तरह शिक्षक छात्रों के अंदर से बुरे गुणों को दूर कर उन्हें महान शिक्षाविद् बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दार्शनिक बालविकास के माध्यम से ही पैदा होता है। एक अन्य अतिथि हस्तलेखन विशेषज्ञ श्री के.वी. एस.एस.एन. प्रसाद ने कहा कि इस पीठ द्वारा ग्रीष्मकालीन शिविर बहुत ही आधुनिक शैली में आयोजित किया जाते हैं और बच्चों के आंतरिक ज्ञान को बाहर लाने के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए जाते हैं।

एक अन्य अतिथि सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री पेंदा श्रीनिवास राव ने गुरु की विशिष्टता के बारे में बताया। सेवानिवृत्त तेलुगु पंडित श्री ताटवर्ती सुब्बाराव ने एक अनूठी कविता सुनाई और इसकी व्याख्या की। पीठ के संयोजक श्री पेरुरी सूरीबाबू ने कहा कि पीठ द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बालविकास प्रमुख हैं और उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्थान अद्वितीय है।

बाला विकास बच्चों द्वारा प्रस्तुत गीत से प्रारंभ हुई सभा में प्रशिक्षण शिविर के आयोजक श्री ए.वी.वी. सत्यनारायण ने आठ दिनों तक प्रशिक्षण शिविर में होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया, जबकि अवधानी श्री यर्रमशेट्टी उमामहेश्वर राव ने प्रशिक्षण शिविर के आयोजन की जरूरत पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में 130 बच्चों, उनके माता–पिता, 20 गुरुओं, 20 प्रशिक्षकों, श्री एमआरके राजू,श्री एम. सत्यनारायण, श्री रेका प्रकाश और अन्य पीठम के सदस्यों ने भाग लिया।

काव्य गोष्ठी और परिचर्चा के माध्यम से राजेन्द्र तिवारी को दी गई श्रद्धांजलि, दिलीप ने साझा किए संस्मरण

प्रयागराज। आज कलर व सांस्कृतिक संस्थान प्रयागराज के तत्वाधान में वरिष्ठ साहित्यककार, कवि, रंगकर्मी और रेडियो नाटक लेखक राजेन्द्र तिवारी को उनकी पुण्य तिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक काव्य गोष्ठी और परिचर्चा का आयोजन उनके सुपुत्र दिलीप कुमार तिवारी एडवोकेट द्वारा अपने आवास 851/568, मुट्ठीगंज, प्रयागराज पर किया गया है।

इस अवसर पर कवि पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत करके काव्य गोष्ठी का शुभारंभ किया। इसके पूर्व माँ सरस्वती को दीप प्रज्ज्वलित करके जागरित किया गया। इस अवसर पर सुधीर कुमार तिवारी ने दोहाकार, कवि पंडित राकेश मालवीय मुस्कान का माल्यार्पण और अंगवस्त्र से स्वागत किया।

इस अवसर पर पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने एकल काव्य पाठ करके राजेन्द्र तिवारी को याद किया। उन्होंने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया की श्री तिवारी जी जितने अच्छे

लेखक, नाटककार और कवि थे उससे कई गुना ज्यादा भले व्यक्ति थे।

दूसरी ओर दिलीप तिवारी ने उनकी रचनाओं का बड़ा मार्मिक पाठ किया। उन्होंने उनके साथ बिताए गए मधुर पलों को साझा किया। कार्यक्रम का संचालन कवि पंडित राकेश मालवीय शुमुस्कानष ने किया।

इस अवसर पर उनके बड़े पुत्र सुधीर कुमार तिवारी ने भी उनके प्रति उद्गार व्यक्त किए। उन्होंने काव्य पाठ भी किया। इस अवसर पर विजय कुमार पांडे, रंजन पांडे, मुकेश कुमार तिवारी, संकल्प तिवारी, शुभंकर तिवारी, प्रांशु यादव, रितु तिवारी और उषा तिवारी आदि उपस्थित रहे।

'डाबर हाजमोला का नया अभियान, मस्ती की पाठशाला से बच्चों में बढ़ेगी शारीरिक सक्रियता'

लखनऊ (संवाददाता)। भारत की अग्रणी आयुर्वेदिक और प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल कंपनियों में से एक, डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज अपने महत्वाकांक्षी अभियान हाजमोला मस्ती की पाठशालाष् की घोषणा की। यह विशाल कार्यक्रम स्कूली बच्चों के बीच शारीरिक खेल–कूद और मनोरंजन के महत्व को समझाने के लिए बनाया गया है, जो हाजमोला ब्रांड की खुशमिजाज और मजेदार पहचान के बिल्कुल अनुकूल है। ष्मस्ती की पाठशालाष् अभियान उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में एक बड़े स्तर पर चलाया जा रहा है। जिसके क्रम में आज यहां बाल निकुंज इंटर कॉलेज, मोहिबुल्लापुर शाखा में हाजमोला मस्ती की पाठशाला का आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूक करने के लिए फन गेम्स का आयोजन किया गया ताकि छात्र सुस्ती और आलस छोड़कर शारीरिक खेलों में हिस्सा ले सकें और स्वस्थ रह सकें।

इसके साथ ही, इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य और फिटनेस विशेषज्ञों के विशेष सत्र भी हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डा. आर.सी. उप्रेती ने मौजूद सैकड़ों छात्रों को स्वास्थ्य और फिटनेस से शरीर को होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी।

सीए ऑफिस में लगी आग, शॉर्ट सर्किट से हादसा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के हजरतगंज इलाके में शनिवार सुबह शाहनजफ रोड स्थित ला प्लास क्षेत्र में एक सीए ऑफिस में भीषण आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि देखते ही देखते ऑफिस के दो कमरे धुएं और लपटों से घिर गए। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन हजरतगंज की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। राहत की बात रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फायर विभाग के अनुसार शनिवार सुबह 11.08 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि 1–ए, ला प्लास स्थित एक ऑफिस में आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी रामकुमार रावत दो फायर टेंडरों और यूनिट के साथ मौके के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि होटल सरोवर पोर्टिको के पास स्थित बिल्डिंग के प्रथम तल पर आग लगी हुई थी। आग विकराल रूप ले चुकी थी और पूरे ऑफिस में धुआं भर गया था।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं./74- डब्लू- सीएसपी-26-27-02 दिनांक: 30.04.2026

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इंजीनियर / कंक्रीट स्लीपर प्लान्ट, उमरे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिए ई-निविदा खुलने की निर्धारित तिथि के 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा नं./74-W-CSP-26-27-02	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 970.86 लाख
कार्यों का विवरण: सीएसपी/एसएफजी/पीआरवाईजे में स्लीपरों के उत्पादन और हैंडलिंग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का निष्पादन।	
बयाने की रकम ₹ : ₹ 19.225 लाख	कार्य समापन की अवधि : 26 महीना
निविदा खुलने की तिथि : 23.05.2026	
समकक्ष कार्य : सिविल इंजीनियरिंग से संबंधित कोई भी कार्य, जिसमें आरसीसी का काम अन्य कार्य में शामिल है।	

नोट: 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु टेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको I. T. Act-2000 के अन्तर्गत C.C.A द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें पेज पर प्रविष्ट एवं डिजिटली हस्ताक्षरित विचारणीय होगा। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फर्म/लेटरहेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदा कर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। निविदाकर्ता को IREPS Module पर Annexure-V ऑनलाइन प्रस्तुत करना आवश्यक है। 5. विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अपलोड किये गये निविदा प्रपत्रों के देखें। 6. बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे ई-भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 7. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से संपर्क किया जा सकता है। 8. ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 15:00 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है, तथा उसी दिन 15:30 बजे के बाद खोली जायेगी। 9. माल और / सेवाओं के आपूर्तिकर्ता समय-समय पर लागू जी. एस. टी अधिनियम और नियमों के अधीन होंगे। 10. रेलवे के पास, किसी भी टेण्डर को बिना कोई कारण बताए संशोधित / स्थगित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। 11. निविदाकर्ता को निविदा खुलने से पहले (सम्मिलित) अपलोड किए जाने वाले एनआईटी/निविदा दस्तावेज के शुद्धिपत्र/परिशिष्ट के लिए वेबसाइट पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि इसके लिए कोई अलग सूचना नहीं दी जाएगी। 967/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

भरते मधुर सुगन्ध

संरचना हैं फूल की, आपस के संबंध।
पंखुरियों के बीच में, भरते मधुर सुगन्ध।
भरते मधुर सुगन्ध, ज्ञान का सागर बनके।
सूफी सन्त समान, नहीं मौसम से डरते।
सुन लो कहें प्रदीप, आवरण अच्छा रखना।
कोमलता के साथ, सिखाती है संरचना।।

हँसते–हँसते फूल ने, दिया सभी को ज्ञान।
त्याग दिया जिसने अहं, मिली उसे पहचान।
मिली उसे पहचान,इसी को कह संसारी।
गुण को रहे बखान, साधु हो या व्यापारी।
सुन लो कहें प्रदीप,बात यह करते–करते।
हर मौसम में पुष्प, खिले हैं हँसते–हँसते ।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

गजल

दर्द के आंसू ने लिक्खी इक कहानी बाप की ,
मुश्किलों में हाय गुज़री है जवानी बाप की।

एक था टूटा हुआ चश्मा मरम्मत की नहीं ,
रख रहे बच्चे समझ कर अब निशानी बाप की।

लो बुढ़ापा आ गया अब तो लरज़ता है बदन,
कौन देखे रोटी अब चटनी से खानी बाप की।

हो गए बच्चे बड़े पहने हैं वो महंगा लिबास,
देखता कोई नहीं पगड़ी पुरानी बाप की।

गुड़ चना खाया कभी तो पेट पानी से भरा ,
कौन देखे अब यहां कीमत चुकानी बाप की।

रुक मुसाफ़िर अब कलम भी रो रही है किस क़दर ,
देख कर बहता हुआ आंखों से पानी बाप की।।

आलम मुसाफिर
उत्तराखंड

5 लाख के पार हुई रूफटॉप सोलर संयंत्र की स्थापना

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में रूफटॉप सोलर स्थापना के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल करते हुए देश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्रदेश में अब तक 5,00,115 से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं राज्य में 8,94,217 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से बड़े पैमाने पर स्वीकृति एवं स्थापना की गई है। प्रदेश में 1,696.68 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता सृजित हुई है तथा 3,038.08 करोड़ की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा एवं ध्1,000 करोड़ से अधिक की सब्सिडी राज्य सरकार द्वारा जारी की जा चुकी है। नेडा डायरेक्टर रविन्द्र सिंह ने बताया कि कुल उत्तर प्रदेश में प्रतिदिन लगभग 5 करोड़ मूल्य की मुफ्त बिजली उत्पन्न हो रही है तथा लाखों टन कार्बन उत्सर्जन में कमी लाई गई है। इसके अतिरिक्त, प्रदेश में लगभग 5,000 कंपनियों के माध्यम से 65,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार एवं लाखों लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। साथ ही, सौर परियोजनाओं को लोगों के छतों पर स्थापित किए जाने से प्रदेश की लगभग 6,500 एकड़ भूमि को संरक्षित करते हुए उसे कृषि एवं अन्य व्यावसायिक उपयोग हेतु सुरक्षित रखा गया है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (ओ.& एफ.), उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निर्धारित प्रपत्र में पर्याप्त अनुभव एवं वित्तीय क्षमतावान प्रतिष्ठित ठेकेदारों से ई-निविदाएं, निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक GeM वेबसाइट पर आमंत्रित की जाती हैं :-

GEM बिड संख्या : GEM/2026/B/7488372 Dated : 29.04.2026

कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में रोलिंग स्टॉक में समस्या निवारण कार्यों के लिए, सामग्री और कर्मचारियों के परिवहन हेतु, 9 मीट्रिक टन वहन क्षमता वाले ट्रक को कार्य के स्कोप के अनुसार आवश्यक संशोधनों सहित 03 वर्षों के लिए किराए पर लेना।

निविदा सिस्टम : डबल पैकेट सिस्टम	कार्य का अनुमानित लागत (रु. में) : 7372731.96
EMD (रू.) : 147500	ई-निविदा प्रपत्र का मूल्य : शून्य
कार्य की अवधि : 03 वर्ष	GeM वेबसाइट पर प्रकाशन की तिथि : 29.04.2026
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 21.05.2026 & 15:00:00	

नोट: 1. उपरोक्त ई-निविदाओं की निविदा पुस्तिका के साथ पूरी जानकारी GEM वेबसाइट पर प्रकाशित होने की तिथि से उपलब्ध/अपलोड की जाएगी और वेबसाइट www.gem.gov.in पर निविदा खुलने की नियत तिथि तक बनी रहेगी। 2. उपरोक्त निविदाओं के लिए ई-बोली के अलावा अन्य बोलियां स्वीकार नहीं की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए, विक्रेताओं को खुद को GeM वेबसाइट के साथ पंजीकृत कराना आवश्यक है। 3. संलग्न किए जा रहे दस्तावेज पर निविदाकर्ता द्वारा अपने हस्ताक्षर किए जाने चाहिए। 4. सभी निविदाकारों को ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किए जाएंगे। 5. किसी भी कठिनाई के मामले में GeM की वेबसाइट पर उपलब्ध हेल्पडेस्क से संपर्क किया जा सकता है। 6. ऑनलाइन ई-निविदा निविदा बंद होने की तिथि एवं समय तक जमा की जा सकती है। 7. जेवी (JV) फर्मों को इस निविदा में भाग लेने की अनुमति नहीं है। 958/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं०: पीआरवाईजे-सिग-006-2026-27 दिनांक: 29.04.2026

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से वरि0 मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियन्ता/ समO उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं.:006 कार्य का विवरण: चुनार जंक्शन के प्रयागराज छोर एवं हावड़ा छोर पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के साथ-साथ चुनार, गुड्स शेड में एक समय में दो (02) रेक हैंडलिंग के प्रावधान हेतु सिगनल एवं दूरसंचार कार्य।

अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 97613507.74	धरोहर राशि (₹) : ₹ 1962300/-
निविदा प्रपत्र का मूल्य (₹) : 0.00	कार्य समापन की अवधि: अठारह माह
निविदा खुलने की तिथि: 28.05.2026	

2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 3.धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप: निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑनलाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदा दाता बिड सिक्यूरिटी उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जीसीसी के अनुसार जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार किया जायेगा। यदि निविदादाता द्वारा जमा की गयी बिड सिक्यूरिटी बैंक गारंटी के रूप में है तो यह उचित स्टांप शुल्क के अनुसार होना चाहिये। बैंक गारंटी जमा करते समय यह 3090 स्टांप अधिनियम 2008 की धारा 13 एवं 24 और समय-समय पर निर्धारित दर के अनुसार होना चाहिये। बिना बिड सिक्यूरिटी वाली निविदायें खारिज कर दी जायेंगी । 4. निविदा खुलने का समय, तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी । अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवसपर खोली जायेगी । 5. निविदा की वैधता:निविदा खुलने के 60 दिन तक । 6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार: रेलवे प्रशासन का किसी भी समय बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 959/26(DG)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

राहतकारी हो आईसीयू

अक्सर ऐसी खबरें सामने आती रहती हैं कि देश के किसी भाग में किसी निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती मरीज के ठीक होने या ठीक होने की संभावना के बावजूद उसे डिस्चार्ज नहीं किया जाता है। वजह होती है कि अस्पताल का अनवरत गति से चलने वाला कमाई का मीटर। निस्संदेह, आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था का मानवीय व संवेदनशील होना अपरिहार्य है। इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति–नियंताओं और शासन–प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। उन्हें अन्य सामान्य वार्डों में स्थानांतरित किया जा सकता है। निश्चित रूप से न्यायालय के ये निर्देश चिकित्सकीय और नैतिक दोनों ही हैं। जो बताते हैं कि जरूरी न होने के बावजूद मरीज को लंबे समय तक आईसीयू में रखना अनुचित है। यह एक हकीकत है कि मानकीकृत आईसीयू प्रोटोकॉल के अभाव में एक अस्पष्ट स्थिति पैदा हो जाती है, जिसकी वजह से मरीज से जुड़े निर्णय असमंजस का शिकार होकर रह जाते हैं। वास्तव में आईसीयू में भर्ती मरीजों के तिमारदारों को चिकित्सा प्रक्रिया की गहन जानकारी अक्सर नहीं होती है। वे केवल चिकित्सक के दिशा–निर्देशों पर ही निर्भर होकर रह जाते हैं। यही वजह है कि अस्पताल प्रबंधन के रहमो–करम पर मरीज को महंगे आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहने को मजबूर होना पड़ता है। कई बार ऐसा भी होता है कि गहन चिकित्सा कक्ष में भर्ती रहने के बावजूद मरीज को उपचारीय लाभ नहीं मिल रहा होता है। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। इस दिशा में व्यवस्थागत मुद्दों पर जोर दिया गया है, जिसमें नर्स व मरीज के अनुपात, विशेषज्ञ पर्यवेक्षण, मानक बुनियादी ढांचा और प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित कराना एक सराहनीय पहल कही जाएगी। निश्चित रूप से भारत जैसे देश में जहां स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में भारी असमानता है, ये न्यूनतम मानदंड अधिक न्यायसंगत देखभाल के लिए आधार बन सकते हैं। सही मायनों में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने और समयबद्ध कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। साथ ही निर्देश नीति के क्रियान्वयन हेतु तत्परता दिखानी चाहिए। लेकिन विगत के अनुभव बताते हैं कि एक अच्छे इरादे वाली कार्ययोजना तब अपने लक्ष्य पाने में विफल हो जाती हैं जब उसका क्रियान्वयन आधे–अधूरे ढंग से किया जाता रहा है। निश्चित रूप से निगरानी ढांचे और समन्वित राष्ट्रीय स्तर की कार्रवाई पर अदालत की पहल सही दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन इसकी अनुपालन की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्त पोषण और प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करेगी। साथ ही दक्षता के अलावा, मानवीय पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गहन चिकित्सा कक्ष में लंबे समय तक भर्ती रहना मरीजों और उनके परिवारों के लिए बेहद कष्टदायक होता है। स्थिर मरीजों को कम स्तर पर देखभाल की जरूरत वाले वार्डों में स्थानांतरित किए जाने से न केवल अनावश्यक चिकित्सा खर्च बचता है। बल्कि यह मानवीय दृष्टिकोण का भी परिचायक है। निश्चित रूप से आईसीयू के लिए एकसमान मानदंड लागू करने का प्रयास भारत की स्वास्थ्य प्रणाली में पारदर्शिता लाने और तर्कसंगत निर्णय लेने को बढ़ावा देने वाला साबित हो सकता है।

विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की मुहिम अब भाजपा के लिए चुनावी हथियार बन चुकी है। पाठक जानते हैं कि हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया था। जबकि सारे जरूरी काम कुछ दिन पहले खत्म बजट सत्र में भी किए जा सकते थे। लेकिन विशेष सत्र बुलाने पर विशेष कवरेज भी सरकार को मिलता और यही भाजपा का मकसद भी था। महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम तो 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था। फिर भी इसे तीन साल तक अमल में लाने लायक नहीं बनाया गया। मोदी सरकार ने इसे आगामी जनगणना और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन तक ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जबकि महिला आरक्षण को लागू करके 2024 के लोकसभा और तब से संपन्न कई विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। लेकिन इसमें भाजपा को चुनावी फायदा शायद नहीं होता। इसलिए 131वें संविधान संशोधन विधेयक की आड़ में पहले से ही पारित महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की चाल भाजपा ने चली। मगर विपक्ष की एकजुटता और दमदार विरोध से यह विधेयक संसद में गिर गया। कायदे से इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि इससे उनकी सरकार के अल्पमत में होने का प्रमाण मिल चुका था। लेकिन इसकी जगह अब विपक्ष को महिला विरोधी बताने की मुहिम देश भर में भाजपा ने छेड़ दी है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र इसी मुद्दे पर बुलाए गए और मजेदार बात ये है कि कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरने के लिए जो शब्दावली इस्तेमाल में लायी जा रही है, वो एक ही कलम से निकली हुई लग रही है। जैसे भाजपा की ट्रोल आर्मी सोशल मीडिया पर किसी को चने के झाड़ पर चढ़ाने या फिर उसे बदनाम करने के लिए एक जैसे पोस्ट थोक के भाव में करवाती है, कुछ वैसा ही माहौल अब विधानसभाओं का बनाया जा रहा है। जैसे उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने समाजवादी पार्टी के लिए कहा कि श्आपके आचरण पर तो गिरगिट भी शरमा जाए। आज अगर आप 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर रहे हैं, तो संसद में इसका विरोध क्यों किया था?श योगी ने कहा कि श्आप आधी आबादी की गरिमा, सम्मान और उत्थान के लिए उठाए गए हर सकारात्मक कदम का विरोध करते हैं। लोकसभा में 16 और 17 अप्रैल को आपका आचरण सबने देखा। वहीं मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले ही कहा संविधान संशोधन का श्रेय हमें नहीं चाहिए। कांग्रेसी साथियों की नकारात्मकता ऐसी रही है कि, वे पक्ष में और विपक्ष में रहते हुए महिला आरक्षण का विरोध करते हैं। कांग्रेसी गिरगिट की तरह रंग बदलते हैं। इससे तो गिरगिट भी शरमा जाए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम को कोई भी परिसीमन के संशोधन के बिना पास नहीं कर सकता है। अब सोचने वाली बात ये है कि विपक्ष के विरोध के लिए गिरगिट ही आदित्यनाथ योगी और डॉ. मोहन यादव को क्यों याद आई। क्या इन दोनों में से कोई भी दूसरा उदाहरण पेश नहीं कर सकता था। वहीं दिल्ली विधानसभा के विशेष सत्र में भाजपा विधायक दल ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में नारी शक्ति अधिनियम के संसद में पास ना होने पर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद कांग्रेस और सपा को नारी विरोधी, विश्वासघाती कहा गया। साथ ही विरोध का खास जोर राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर रहा। विधानसभाओं के विशेष सत्र के अलावा 29 तारीख को काशी पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक महिला सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि काशी के सांसद के तौर पर, देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुझे देशहित के एक बड़े लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आपका आशीर्वाद चाहिए। और यह बड़ा लक्ष्य है, लोकसभा–विधानसभा में महिलाओं के लिए आरक्षण को लागू करना। अभी कुछ दिन पहले सपा और कांग्रेस जैसे दलों की वजह से हमारा यह प्रयास संसद में सफल नहीं हो पाया, लेकिन मैं आप सभी बहनों को फिर से भरोसा देता हूं कि आपके आरक्षण का हक लागू हो, इसमें कोई कोर कसर बाकी नहीं छोडूंगा। 2014 से श्री मोदी के पास देश की सत्ता है, सारे संसाधन, प्रशासनिक तंत्र, अधिकारी उनके मातहत हैं और वे चाहें तो इनका सकारात्मक उपयोग करके देश के सूरतेहाल बदल डालें। लेकिन प्रधानमंत्री 12 साल बाद भी जनता से उसका आशीर्वाद ही मांग रहे हैं कि मैं ये करुंगा, वो करुंगा। पता नहीं हमारे प्रधानमंत्री कितने लाचार हैं कि हर मंच से वे केवल अपना दुखड़ा ही बताते हैं कि विपक्ष उनको कितना परेशान करता है। सत्ता पर बैठकर विपक्ष का रोना रोने वाली सरकार पहली बार देश को मिली है और अकेले प्रधानमंत्री ही नहीं, उनका देखा–देखी अब राज्यों के मुख्यमंत्री भी काम करने की जगह विपक्ष को कोस रहे हैं। पहले सरकार से नाराजगी होती थी तो जनता प्रधानमंत्री या सत्तारुढ़ नेताओं के पुतले फूंका करती थी, लेकिन मोदी राज में उल्टी गंगा बह रही है। उत्तरप्रदेश में बिजनौर, बहराइच जैसे कई जिलों में राहुल गांधी और अखिलेश यादव के पुतले भाजपा नेताओं ने फूंके। मानो विपक्ष ने सरकार के किसी काम का विरोध कर कोई अपराध कर दिया हो। भाजपा नेताओं ने यह भी नहीं सोचा कि लोकतंत्र है तो उसमें कम से कम दो पक्ष होंगे ही। चीन या उत्तर कोरिया की तरह देश में अभी एकल पार्टी व्यवस्था नहीं बनी है, न ही एक व्यक्ति ही सर्वोपरि है। यहां संविधान का शासन है, जिसके अनुसार लोकतंत्र और संसदीय प्रणाली काम करती है। जिसमें विपक्ष को पूरा हक है कि वह किसी विधेयक पर अपना विरोध दर्ज कराए। इस पर अगर पुतले जलाने की नौबत आए तो इसका मतलब है कि भाजपा लोकतंत्र के मामले में काफी अपरिपक्व है, उसे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। बहरहाल, अखिलेश यादव और राहुल गांधी का पुतला फूंकने के दौरान बहराइच में एक हादसा हो गया, जिसमें आग लगाने वाली भाजपा विधायक अनुपमा जायसवाल ही जल गई, और अब उनका इलाज लखनऊ के एक अस्पताल में चल रहा है। अखिलेश यादव को जब यह पता चला तो वे घायल विधायक से मिलने अस्पताल पहुंच गए। इसके बाद एक पोस्ट में उन्होंने लिखा हम नहीं चाहते कि समाज के बीच आग जले। हम चाहते हैं कि समाज में सौहार्द्र की फुहार हो। हमारी सकारात्मक राजनीति की स्वस्थ परंपरा ने हमें यही सिखाया है। इसलिए हम बीजेपी विधायक श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी से मिलने गए और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करके लौटे हैं। राजनीति अपनी जगह है और मानवीय संबंधों का महत्व अपनी जगह। अखिलेश यादव ने समाज में आग न लगाने को लेकर एक बड़ी नसीहत दे दी है, अब भाजपा को सोचना होगा कि क्या वह इससे कुछ सबक लेगी।

बंगाल: लोकतंत्र पर हावी चुनावतंत्र

अरविन्द मोहन

यह आलेख लिखे जाने तक बंगाल के अंतिम चरण का चुनाव प्रचार रुक चुका है और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री वापस दिल्ली लौट चुके हैं। लेख छपने तक मतदान हो रहा होगा या हो चुका होगा। लेख का विषय बंगाल के इस चुनाव में दिखी कुछ ज्यादा ही डरावनी बातों की चर्चा है लेकिन खुद इस पर चुनावी रंग न चढ़ने देने की मंशा से ही इसे लिखने में देरी की गई। चुनाव हर बार ज्यादा दिलचस्पी जगाते हैं, उनके नतीजों का असर सामान्य दिखने की तुलना में ज्यादा गहरा होता है लेकिन बंगाल का इस बार का चुनाव पड़ोस के असम या साथ चुनाव में उतरे तमिलनाडु और केरल से कहीं ज्यादा दूरगामी असर वाला है, इसकी विकृतियां ज्यादा बड़ी हैं। और दुखद यह है कि इसके नायक या खलनायक तो शीर्ष वाले वही लोग थे जिन पर मुल्क, प्रदेश और राजनीति को चलाने का जिम्मा है। यह सब कहने का मतलब यही है कि बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद वहां जो कोई सत्ता में आए या केंद्र में बैठे बड़े लोग हों, सबको बहुत ठंडे मन से चुनाव के पूरे क्रम और अपने कामों पर भी गंभीरता से सोचना होगा और चीजें सुधारने की तरफ कदम बढ़ाने होंगे। उम्मीद ज्यादा नहीं है लेकिन यह भी लगता है कि अगर एक दशक तक गंभीरता से काम हो तब शायद सुधार हो पाएगा। इसमें लोगों की मुस्तैदी भी जरूरी है लेकिन आज चुनाव ऐसा बन चुका है कि चीजें कहां से संचालित होती हैं। कहना मुश्किल है और लोगों के पास एक बटन दबाने में विवेक दिखाने के अलावा ज्यादा कुछ बचा नहीं है। शायद उससे ही चमत्कार हो जाए। चुनावी खर्च मुद्दा नहीं रह गया है और बंगाल चुनाव में भी ज्यादा बड़ा मुद्दा हो लगा नहीं। अदने से विधायक हुमायूं कबीर को हजार करोड़ रुपए देने की पेशकश और उनका कबूलनामा भी मुद्दा नहीं बन पाए। बाकी कितना पैसा पकड़ा गया, कितनी शराब जब्त हुई टाइप सूचनाओं से तो अब खर्च का हिसाब नहीं लगता। सिर्फ एक दल के डेढ़ सौ हेलीकाप्टर या चार्टर्ड प्लेन चुनाव भर मंडराते रहे तो कितना खर्च आया होगा, यह सोचा जा सकता है। हां, इस बार बंगाल में बाहर से बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों में गए वोटर ढोकर लाए गए, उसकी चर्चा जरूर हुई। खर्च में वाम दल और कांग्रेस की कौन कहे ममता बनर्जी की पार्टी का हिसाब भी भाजपा की तुलना में नगण्य था। लेकिन भाजपा इसी तरह का खर्च करने और मैनेजमेंट के लिए श्नामीश है। और वह अभी तक कहीं भी चुनावी मुद्दा नहीं बना है–कभी इसी बंगाल या पड़ोस के बिहार में यह बनता भी था। हिंसा के मामले में तृणमूल कमजोर पड़ी हो यह कहना मुश्किल है। भाजपा ने अपने जी भर प्रयास किया लेकिन उसमें केन्द्रीय बलों और केंद्र सरकार के बल का भी हिस्सा था और चाहे केन्द्रीय बलों की ताकत से हो या जैसे भी, लेकिन चुनाव अगर हिंसा से मुक्त हों, या इस बार पहले की तुलना में कम हिंसा हुई हो तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। भाजपा एक तरफ भयमुक्त चुनाव का दावा करती रही लेकिन सबसे छंटे बदमाशों को टिकट देने में परहेज नहीं किया। यह क्या है और इसके पीछे की मंशा क्या है यह समझना आसान नहीं है। बंगाल चुनाव में हिंसा की परंपरा बनाने में वाम दलों की भी भूमिका रही है और अगर कभी बिहार के चुनाव हिंसा के लिए बदनाम थे तो आज वह बदल चुका है। लेकिन बंगाल में चुनाव देश भर में सबसे ज्यादा हिंसक क्यों हैं इस पर ममता बनर्जी और अधीर रंजन चौधरी को भी सोचना होगा। इस बार बंगाल चुनाव मतदाता सूची के विशेष संशोधन अभियान को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रहा और आखिरी दिन तक अदालती आदेश से वोट का हक पाने की उम्मीद लगाए लाखों वोटर मायूस हुए। अपने दोस्त योगेंद्र यादव का कहना है कि अक्टूबर 2025 को, अर्थात इस अभियान के शुरू होने से पहले राज्य की वयस्क आबादी 7.67 करोड़ थी और राज्य में मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़। साफ है कि यहां ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले 58 लाख नाम काटे और फिर 60 लाख नामों पर श्लाजिकल डिस्क्रिपेंसीश का लाल झण्डा गाड़ दिया गया। इनमें से ज्यादातर वोट के अधिकार से वंचित हुए। किस–किस तरह की गलतियां सामने आईं यह गिनवाना बहुत होगा लेकिन जब लोग कलेक्टर को घेरने तक पहुंच गए तब भी मामले को एकतरफा रखा गया। अदालती दखल भी चुनाव आयोग की तरफ झुका था। और जब इसी क्रम में ईडी के इस्तेमाल और सीधे मुख्यमंत्री द्वारा हंगामा करने का मामला सामने आया तो फिर इस सारे शुद्धिकरण अभियान की गंदगी जिसे न दिखी हो वही अंधा कहलाएगा। हर राज्य में नामों में कतर

सीमा वर्णिका की कलम से
'नींव के पत्थर'

प्रोफेसर मैनन प्रिया से बात करके बड़े खुश व उत्साहित नजर आ रहे थे।

आज तुम दोनों को यहाँ देख कर बहुत अच्छा लग रहा है, मैनन बोले।

दुनिया में लोग अपने माता पिता के लिए कुछ नहीं कर पा रहे और तुम लोगों ने इतना सोचा तो अच्छा लगा, मैनन संतुष्ट स्वर में बोले।

प्रिया और सुमित माँ की बरसी पर वृद्धाश्रम में दान पुण्य हेतु गए थे।

प्रोफेसर साहब अपनी आपबीती बताने लगे वह आई.आई.टी. कानपुर में एक वैज्ञानिक हुआ करते थे उन्होंने बहुत सारे सिद्धांतों का प्रतिपादन किया जब तक हाथ पैर चले रिसर्च वर्क से जुड़े रहे। वह अपने कार्य क्षेत्र के विषय में एक लय में बताते जा रहे थे।

आपके परिवार में और कोई नहीं है क्या, प्रिया ने पूछा।

नहीं.. नहीं.. मेरे दो बेटे हैं.. बहुत बड़ी–बड़ी पोस्ट पर हैं ..दोनों विदेश में है, मैनन साहब की बूढ़ी आँखों में चमक आ गई वह गर्व से बता रहे थे।

हमारा घर मकान सब रिश्ते नातेदारों ने छीन लिया और मैं यहाँ आ गया.. अकेला जाता भी कहाँ, मैनन साहब बोले।

आपके बेटे आप को साथ नहीं ले गए, प्रिया ने दबी जबान में पूछा।

अरे !बेटा वह सब अपनी जिंदगी में बहुत व्यस्त है.. किसके पास समय है कि वह मेरी देखरेख कर सके.. वह भी सब मजबूर हैं, मैनन साहब बच्चों का पक्ष लेते हुए बोले।

प्रिया सुमित चलने लगे तो मैनन साहब कहने लगे, अरे! आप लोग कुछ देर और रुकते.. अच्छा लग रहा था बात करके।

जल्दी ही आते ..अभी कहीं आवश्यक कार्य से जाना है, प्रिया ने कहा और नमस्कार करके बाहर निकल आयी।

कैसे बच्चे होते हैं जो जीते जी माता–पिता को इस हाल में छोड़ देते हैं । वह भी उनको जो नींव के पत्थर हैं जिन पर आज उनकी हैसियत की इमारत खड़ी है.. समझ नहीं आता, प्रिया भारी मन से बोली।

यह दुनियादारी है ..तुम ज्यादा न सोचो..कल किसने देखा है, सुमित ने गाड़ी स्टार्ट करते हुए कहा।

वृद्धाश्रम बहुत पीछे छूट गया था और बातें दिमाग में जगह बना रही थीं।

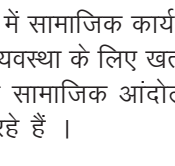

सीमा वर्णिका,
कानपुर

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस मजदूर आंदोलन, वेतन से आगे, सामाजिक न्याय की लड़ाई?

अरुण कुमार डनायक

मजदूर दिवस पर श्रमिक आंदोलनों की चर्चा अक्सर फैक्टरी गेट पर विरोध, नारेबाजी, अति–आवश्यक सेवाओं को ठप कर देने या हड़तालों की हिंसक छवियों, शहरों के उद्योग बंद होने की कहानियों तक सीमित रह जाती है। यह दृष्टि उस बड़े सत्य को अनदेखा कर देती है कि दुनिया के मजदूर केवल अपने अधिकारों के लिए ही नहीं, बल्कि देशहित, लोकतंत्र और मानव गरिमा की रक्षा के लिए भी निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं। भारत में भी श्रमिक वर्ग ने यह भूमिका निभाई है। चम्पारण सत्याग्रह में खेतिहर मजदूर नील किसानों के साथ खड़े रहेय 1918 में अहमदाबाद, भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान मुंबई की मिल हड़ताल और दांडी यात्रा में कारीगरों, नमक निर्माताओं और तटीय मजदूरों ने औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध व्यापक जनशक्ति खड़ी कर मजदूरों की सामूहिक शक्ति प्रदर्शित की थी। डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में महाड़ के चवदार तालाब सत्याग्रह में दलित श्रमिकों ने सामाजिक समानता की लड़ाई को नई दिशा दी थी। इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अमेरिका का नागरिक अधिकार आंदोलन एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। जिम क्रो नियमों के तहत अमेरिका में अश्वेत नागरिकों को अलग, लेकिन समान के नाम पर अपमानजनक भेदभाव का सामना करना पड़ता था। सार्वजनिक सुविधाएं, जैसे– बस, ट्रेन, पार्क, स्कूल आदि में व्यवस्थाएं अलग–अलग थीं और मतदान में बाधा डालने के लिए साक्षरता परीक्षण व पोल टैक्स जैसे उपाय थे। इन असमानताओं के विरुद्ध 1950–60 में व्यापक जनांदोलन उभरे, जिनमें श्वेत और अश्वेत सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ–साथ अश्वेत श्रमिकों ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर संघर्ष को दिशा दी। इन आंदोलनों की रीढ़ घरेलू कामगार, औद्योगिक श्रमिक और उनके संगठन थे, जिन्होंने हर स्तर पर संघर्ष को जीवित रखा। ग्रामीण इलाकों में हिंसा और दमन के बावजूद खेतिहर मजदूरों व बटाईदारों ने यूनियनें बनाईं और फ्रीडम समर जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। इन सबके बीच पादरी मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) इस आंदोलन के सबसे प्रेरक और नैतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे। उन्होंने महात्मा गांधी की अहिंसा, श्सविनय अवज्ञा आंदोलनश व सत्याग्रह से प्रेरित होकर श्रमिक वर्ग की शक्ति को संगठित कर संघर्ष को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। एक दिसंबर 1955 को एक साधारण कामकाजी महिला रोजा पार्क्स द्वारा मॉन्टगोमरी की बस में श्वेत अमेरिकी नागरिक के लिए अपनी सीट छोड़ने से इंकार करना अचानक उपजा विद्रोह नहीं था। यह वर्षों से सहते आ रहे अपमान के विरुद्ध एक शांत, पर निर्णायक प्रतिकार था। उनकी गिरफ्तारी ने अश्वेत समाज को झकझोर दिया और 381 दिनों तक चलने वाले श्मॉन्टगोमरी बस बहिष्कारश की शुरुआत हुई। इस बहिष्कार की असली ताकत घरेलू कामगार महिलाएं, औद्योगिक श्रमिक, खेतिहर मजदूर और निम्न आय वर्ग के वे लोग थे, जो रोजमर्रा के आवागमन के लिए इन्हीं बसों पर निर्भर थे। बहिष्कार का सबसे बड़ा बोझ भी इन्हीं ने उठाया। लोग मीलों पैदल चले, चर्चों की वैनें चलीं, कार–पूल बने, टैक्सी चालकों ने कम किराए पर यात्राएं कराईं। सुबह अंधेरे में निकलने वाली घरेलू कामगार महिलाएं और मजदूर, लंबी दूरी पैदल चलने की कठिनाइयों के बावजूद डटे रहे। दूसरी ओर श्वेत प्रतिरोध लगातार हिंसक होता गया, किंग के घर पर बम फेंके गए, कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर जेलों में प्रताड़ित किया गया और आंदोलनकारियों को निरंतर धमकियां दी गईं। इसके बावजूद आंदोलन की आत्मा गांधीजी की अहिंसा के अनुरूप ही रहीय जेल की कोठरियों और सड़कों पर वी शैल ओवरकम जैसे आशा भरे गीत गूंजते रहे। मनुष्य की गरिमा और समानता का प्रतीक यह गीत भारत में भी श्हम होंगे कामयाब एक दिन के रूप में लोकप्रिय हुआ। मॉन्टगोमरी बस आंदोलन की श्रमिक आधारित नैतिक शक्ति ने विद्यार्थियों में भी प्रतिरोध की नई चेतना जगाई। इसी प्रेरणा से 1960 का सिट इन मूवमेंट जन्मा, जब ग्रीन्सबोरो के चार छात्रों ने श्वेत आरक्षित लंच–काउंटर पर बैठकर अलगाव को चुनौती दी। कुछ ही महीनों में हजारों छात्रों ने इस अहिंसक सत्याग्रह के माध्यम से नस्लीय भेदभाव के खिलाफ बिगुल फूंक दिया। 1961 का फ्रीडम राइड आंदोलन, जिसकी रीढ़ श्रमिक और छात्र थे, अमेरिकी लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा बन गया। बसों में सवार शांतिपूर्ण आंदोलनकारियों पर श्वेत भीड़ की क्रूर हिंसा और गिरफ्तार अश्वेत यात्रियों को प्रताड़ित किये जाने की खबरों ने अमेरिका की अंतरराष्ट्रीय छवि को गहरा आघात पहुंचाया। 1963 का मार्च ऑन वॉशिंगटन आज भले ही किंग के आई हैव अ ड्रीम भाषण से पहचाना जाता हो, पर इसकी नींव श्रमिक नेता ए. फिलिप रैंडोल्फ और ब्रदरहुड ऑफ स्लीपिंग कार पोर्टर्स यूनियन ने रखी थी। इस मार्च का आधिकारिक नाम श्नौकरियों और स्वतंत्रता के लिए वॉशिंगटन मार्च स्पष्ट करता है कि यह आंदोलन मूलतरू श्वेत और अश्वेत मजदूरों के बीच समानता, आर्थिक न्याय और श्रमिक अधिकारों की मांग से उपजा था। वॉशिंगटन मार्च ने न केवल नस्लीय भेदभाव के खिलाफ एक सशक्त आवाज उठाई, बल्कि सिद्ध किया कि श्रमिक आंदोलन, अहिंसा और शांतिपूर्ण अनुशासन के द्वारा व्यापक सामाजिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। मार्टिन लूथर किंग द्वारा आंदोलन की जननी कही जाने वाली सेप्टिमा क्लार्क का योगदान नस्लीय भेदभाव के इतिहास में अद्वितीय है। उनके सिटीजनशिप स्कूलों ने अश्वेत श्रमिकों को साक्षर बनाया, उन्हें मतदान के लिए पंजीकरण कराने में सक्षम किया, यूनियनों और आंदोलनों में नेतृत्व विकसित किया। उनके प्रयासों का ही सुखद परिणाम है कि आज अमेरिकी कांग्रेस में अश्वेत प्रतिनिधित्व अपने ऐतिहासिक उच्च स्तर पर है और यह सब बिना किसी आरक्षण के संभव हुआ है। इन आन्दोलनों से बढ़ते दबाव के कारण राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी को हस्तक्षेप करना पड़ाय उन्होंने आंदोलन को टकराव और हिंसा से हटाकर मतदाता पंजीकरण जैसे लोकतांत्रिक कदमों की ओर मोड़ा, अंतरराज्यीय परिवहन में नस्लीय भेदभाव समाप्त करने के लिए संघीय आदेश लागू किए और नागरिक अधिकारों पर व्यापक कानून लाने की घोषणा की। दुर्भाग्य से 1963 में कैनेडी की हत्या हो गई और उनके बाद 1964 में सिविल राइट्स एक्ट पारित हुआ। इतिहास बताता है कि श्रमिक वर्ग केवल वेतन और सुविधाओं की लड़ाई नहीं लड़ता, बल्कि लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के आंदोलनों का प्रमुख वाहक रहा है। परिवर्तन की सबसे सशक्त पटकथा अक्सर उन्हीं हाथों से लिखी जाती है, जिनमें मेहनत के निशान होते हैं। अमेरिका में सामाजिक कार्यकर्ताओं को कई बार कम्युनिस्ट, विध्वंसक या व्यवस्था के लिए खतरा बताकर आरोपित किया गया। भारत में भी सामाजिक आंदोलनों पर ऐसे आरोप समय–समय पर लगते रहे हैं ।

सपनों जैसा रहा 10 साल का सफर

सान्या मल्होत्रा

उन्होंने कहा, "यह खासतौर पर रोमांचक था कि विवेक ने निर्देशक के रूप में अपनी दृश्य संवेदनशीलता को सामने रखा, जबकि पत्रलेखा ने निर्माता की भूमिका को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाया। नेटफ्लिक्स में हम ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होते हैं, जो भारतीय परिवेश की सच्ची कहानियों पर आधारित हों और जिनसे दर्शक तुरंत जुड़ सकें३। सान्या ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरा किया दस साल का सफर पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा का कहना है कि हिंदी फिल्मों में उनका 10 साल का सफर बहुत अद्भुत और संतोषजनक रहा है। उन्हें मिले मौकों के लिए वह बहुत खुश और आभारी हैं।

वर्ष 2016 में फिल्म 'दंगल' से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने कहा है कि उनका फिल्मी सफर अब तक सपनों जैसा रहा है और वह चाहती हैं कि उनकी फिल्मों को आगे भी दर्शकों का प्यार मिलता रहे। सान्या अब नेटफ्लिक्स की कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' में राजकुमार राव के साथ नजर आ रही हैं। वर्ष 2016 में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दंगल' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा आज फिल्म जगत का एक चमकता हुआ सितारा हैं। अपने अब तक के सफर को श्सपनों जैसाश बताते हुए सान्या ने कहा है कि वह उन अवसरों के लिए बेहद आभारी हैं, जिन्होंने उन्हें एक कलाकार के तौर पर पहचान दिलाई। सान्या अब नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी फिल्म 'टोस्टर' (ज्वेंजमत) में एक बार फिर अपनी अदाकारी का जादू बिखेरने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा की ''कंपा फिल्म्स'' के जरिये बतौर निर्माता पहली पेशकश है। कहानी एक कंजूस व्यक्ति पर आधारित है, जो शादी टूटने के बाद उपहार में दिया गया अपना 'टोस्टर' वापस लेना चाहता है। फिल्म में सान्या कंजूस की पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। सान्या ने पीटीआई– से बातचीत में कहा, "दस साल३ यह (सफर) सपनों जैसा लगता है। यह बेहद शानदार, संतोषजनक रहा है और मैं उन अवसरों के लिए बहुत आभारी हूं जो मुझे मिलें।" अभिनेत्री ने कहा कि हालांकि वह राजकुमार राव के साथ 'हिटरू द फर्स्ट केस' और 'लूडो' में काम कर चुकी हैं, लेकिन यह पहली बार है कि उन्होंने एक साथ काम करते हुए इतना समय बिताया। सान्या ने कहा, "मैं 'टोस्टर' का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। राज ने मुझे फोन करके बताया कि हम एक फिल्म बना रहे हैं और मैंने 'स्क्रिप्ट' पढ़ने से पहले ही कह दिया था, 'बिल्कुल'। अगर वह (राव) किसी परियोजना से जुड़े हैं तो वह अच्छा ही होगा। यह हमारी साथ में तीसरी फिल्म है। पहली ('हिट') में मैं सिर्फ एक सूटकेस में थी। दूसरी ('लूडो') में हम साथ नहीं थे। इसलिए मैं राज के साथ काम करने के लिए बेहद उत्सुक थी, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि वह कितने शानदार अभिनेता हैं और यह इसलिए एकदम सही मौका था।" राजकुमार राव ने कहा कि 'टोस्टर' में सान्या ने हास्य भूमिका में अब तक का सर्वश्रेष्ठ अभिनय किया है। राव ने कहा, "वह (सान्या) फिल्म में बहुत मजेदार किरदार में हैं और जब हमने उनका प्रदर्शन देखा तो हम बहुत खुश हुए। हम सभी सान्या को जानते हैं। वह सेट पर मजा करना चाहती हैं, लेकिन उनका स्वभाव शांत है। वह शांतचित्त होकर सीट पर बैठना और शांति से ही अपना काम करना पसंद करती हैं, लेकिन फिल्म में जब आप उन्हें (सान्या को) स्क्रीन पर देखेंगे तो वह कमाल नजर आएंगी।'' पत्रलेखा ने भी कहा कि सान्या शूटिंग के दौरान "धमाल मचा'' रही थीं। सान्या को फिल्म 'मिसेज' में उनके प्रदर्शन के लिए काफी सराहना मिली थी, जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मलयालम फिल्म 'द ग्रेट इंडियन किचन' की रीमेक है। सान्या ने कहा कि वह फिल्म को मिले प्यार के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा, "मैं बस यही उम्मीद करती हूं कि मेरी बाकी सभी फिल्मों और परियोजनाओं को भी इसी तरह का प्यार और सम्मान मिले।" नेटफ्लिक्स इंडिया की 'ओरिजिनल फिल्म्स' की निदेशक रुचिका कपूर शेख ने कहा कि 'टोस्टर' बुधवार से ओटीटी मंच पर रिलीज कर दी गयी है। उन्होंने कहा, "यह खासतौर पर रोमांचक था कि विवेक ने निर्देशक के रूप में अपनी दृश्य संवेदनशीलता को सामने रखा, जबकि पत्रलेखा ने निर्माता की भूमिका को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाया। नेटफ्लिक्स में हम ऐसी कहानियों की ओर आकर्षित होते हैं, जो भारतीय परिवेश की सच्ची कहानियों पर आधारित हों और जिनसे दर्शक तुरंत जुड़ सकें३। सान्या ने फिल्म इंडस्ट्री में पूरा किया दस साल का सफर पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा का कहना है कि हिंदी फिल्मों में उनका 10 साल का सफर बहुत अद्भुत और संतोषजनक रहा है। उन्हें मिले मौकों के लिए वह बहुत खुश और आभारी हैं। फिलहाल, सान्या अभिनेता राजकुमार राव के साथ नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी फिल्म श्टोस्टरश में नजर आ रही हैं। यह फिल्म राजकुमार और पत्रलेखा की कंपा फिल्म्स की पहली फिल्म है। कैसे मिली सान्या को फिल्म श्टोस्टरश सान्या ने बताया कि उन्होंने और राजकुमार राव ने पहले शहिटरू द फर्स्ट केसश और श्लूडोश में साथ काम किया था, लेकिन श्टोस्टरश में पहली बार उन्होंने साथ में इतना समय बिताया है। राज ने उन्हें फोन करके फिल्म के बारे में बताया तो सान्या ने स्क्रिप्ट पढ़े बिना ही हां कर दी। उन्होंने कहा, श्अगर राज इसमें हैं, तो फिल्म अच्छी ही होगी।श राजकुमार और पत्रलेखा ने की सान्या की तारीफ राजकुमार राव ने कहा कि सान्या ने इस फिल्म में कॉमेडी में अपना सबसे अच्छा अभिनय किया है। वह स्क्रीन पर बहुत मजेदार लगती हैं। पत्रलेखा ने भी कहा कि सान्या सेट पर बहुत मस्ती करती थीं। सान्या की उम्मीद है कि उनकी आने वाली फिल्मों को भी दर्शकों का इतना ही प्यार मिलेगा। क्या है श्टोस्टरश की कहानी फिल्म श्टोस्टरश की कहानी एक कंजूस आदमी की है, जिसकी शादी खत्म हो जाती है। इसके बाद वह शादी के तोहफे में मिले टोस्टर को वापस लेने की कोशिश करता है। सान्या मल्होत्रा इस आदमी की पत्नी का रोल निभा रही हैं। यह फिल्म भारतीय परिवार की साध ाारण लेकिन प्यारी कहानी है, जो हल्के–फुल्के अंदाज में बताई गई है। फिल्म बुधवार 15 अप्रैल से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग हो रही है।

एक बार फिर से मिलेगा प्यार और कॉमेडी का तड़का, बड़े पर्दे री-रिलीज होंगी डेविड धवन की यह फिल्में

वरुण धवन की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है जल्द ही बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म का निर्देशक वरुण के पिता डेविड धवन ने किया है। इससे पहले भी डेविड ने बहुत ही रोमांटिक फिल्में बनाई हैं, जिन्होंने कम समय में बहुत ही लोकप्रियता कमाई। अपनी नई फिल्म के रिलीज होने से पहले डेविड धवन ने एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है। यदि आप भी कॉमेडी और रोमांटिक फिल्म के शौकीन हैं तो यह खबर आपके लिए बहुत ही खास होने वाली है। आंखें, राजा बाबू, पार्टनर और मैंने प्यार क्यों किया जैसी हिट फिल्में जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। डेविड धवन की इन फिल्मों को फिर से रिलीज करने का फैसला लिया है। इन फिल्मों ने 90 के दशक में खूब नाम कमाया है और अब आज–कल की नई पीढ़ी को भी पुरानी फिल्में देखने का मौका मिलेगा। रोजमर्रा की परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए डेविड की ये फिल्में किसी जड़ी बूटी से कम नहीं हैं। डेविड धवन भी इस बात से बेहद खुश है कि उनकी फिल्में फिर से बड़े पर्दे पर नाम कमाएंगी। महीने की शुरुआत में ही डेविड धवन ने बातों–बातों यह हिंट दिया था कि 'है जवानी तो इश्क होना है' उनकी लास्ट मूवी हो सकती है। इसके बाद वो ज्यादा से ज्यादा समय अपनी फैमिली संग बिताएंगे। इसके बाद में सिर्फ एक पिता का फर्ज अदा करेंगे। डेविड धवन का यह फिल्म है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को सिनेमाघरों में आएगी।

लुख्खे का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज– रैप, क्राइम और स्टाइलिश एक्शन का अनोखा मेल किया पेश

भारत का सबसे पसंदीदा एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन, प्राइम वीडियो ने आज अपनी आने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज लुक्खे का जबरदस्त और रोमांच से भरपूर ट्रेलर लॉन्च किया। यह एक काल्पनिक म्यूजिकल एक्शन ड्रामा है, जहाँ रैप, बदला और मोक्ष आपस में टकराते हैं। इस ट्रेलर का भव्य लॉन्च मुंबई में उत्साहित लाइव दर्शकों के सामने किया गया, जिसमें प्राइम वीडियो ने अपने एक्सक्लूसिव म्यूजिक स्ट्रीमिंग पार्टनर अमेजन म्यूजिक और म्यूजिक लेबल वार्नर म्यूजिक इंडिया के साथ मिलकर यह आयोजन किया। इस सीरीज का निर्देशन हिमांक गौर ने किया है और इसका निर्माण विपुल डी. शाह और राजेश बहल ने ऑप्टिमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले किया है। इसे एग्रीम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने बनाया है और यह उनके ही द्वारा एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूस भी की गई है। इस सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में राशि खन्ना और किंग हैंकृजहाँ किंग, जो एक प्रशंसित भारतीय रैपर, गीतकार और सिंगर हैं, इस शो के साथ अपना अभिनय डेब्यू कर रहे हैं। इसके अलावा पलक तिवारी (जो भी अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्षवीर सिंह सारण प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। यह आठ एपिसोड की सीरीज 8 मई को विशेष रूप से प्राइम वीडियो पर हिंदी में भारत सहित दुनिया के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में रिलीज होगी। लुक्खे का ट्रेलर दर्शकों को एक जबरदस्त और ऊर्जा से भरपूर दुनिया में ले जाता है, जहाँ एमसी बदनाम (जिसका किरदार किंग निभा रहे हैं) अपने दमदार अंदाज में माइक पर अपना दबदबा बनाते हुए दिखाया गया है। वहीं उनकी कड़ी टक्कर एमसी ओजी (शिवांकित परिहार द्वारा निभाया गया किरदार) से देखने को मिलती है। साथ ही लकी (लक्षवीर सिंह सारण,) और सनोबर (पलक तिवारी) के बीच उभरती हुई प्रेम कहानी भी कहानी को नया मोड़ देती है। कहानी जैसे–जैसे आगे बढ़ती है, तनाव और भावनाएँ और भी गहरी होती जाती हैं, और रैप, अपराध तथा रिश्तों की दुनिया आपस में टकराकर एक ऐसे मोड़ पर पहुँचती है जहाँ बदले, मोक्ष और जबरदस्त एक्शन की एक रोमांचक कहानी बनती है। इस पूरे माहौल को और भी ज़्यादा असरदार बनाता है इसका जोरदार और अलग–अलग शैलियों वाला साउंडट्रैककृजिसमें एक तरफ तेज और दमदार रैप गाने हैं, तो दूसरी तरफ भावनाओं से भरी हुई मधुर धुनें भी हैं। ये म्यूजिक हर सीन की ताकत को और बढ़ा देता है। और अंत में दर्शकों के मन में एक सवाल छोड़ जाता हैरू एक ऐसी दुनिया में जहाँ रैप और बदलाकृदोनों ही बहुत प्रभावशाली हैं, वहाँ कौन इन सबसे ऊपर उठ पाएगा, और कौन उसमें पूरी तरह खो जाएगा?'लुख्खे के डायरेक्टर हिमांक गौर ने कहा," लुख्खे ने मुझे एक ऐसी दुनिया में जाने का मौका दिया जो शोरगुल से भरी हुई है, भावनात्मक है और हर पल तनाव से गुजरती रहती है। जिस बात ने मुझे सबसे ज़्यादा प्रभावित किया, वह यह थी कि हर किरदार किसी न किसी निजी लक्ष्य को पाने की कोशिश में है, और संगीत उनके लिए अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम बन जाता है। इस कलाकारों की टीम के साथ काम करना, खासकर किंग के साथ। जो इस शो से अपना अभिनय डेब्यू कर रहे हैं, साथ ही राशि, लक्षवीर और पलक, मेरे लिए बेहद संतोषजनक अनुभव रहा, क्योंकि सभी ने अपने प्रदर्शन में एक सच्चाई का भाव भरा, जिसने हर दृश्य को और भी प्रभावशाली बना दिया।

एक्टर मुकेश खन्ना ने कहा है कि वह रणवीर सिंह को शक्तिमान के रोल में कास्ट करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि शक्तिमान के लिए नया चेहरा चुना जाए, जिसमें उसी इमेज और सादगी की झलक हो। उन्होंने कहा कि वे इसके लिए देशभर में ऑडिशन लेने को तैयार हैं। मुकेश खन्ना ने जूम को दिए इंटरव्यू में कहा कि आज के समय में बच्चों को पहले से कहीं ज्यादा शक्तिमान की जरूरत है। उनके मुताबिक, 1997 की पीढ़ी को जिस तरह इस किरदार ने सही रास्ता दिखाया था, उससे कहीं ज्यादा जरूरत आज 2026 के बच्चों को है। एक्टर ने कहा कि लोगों में एक गलतफहमी फैल गई है कि वे इसलिए मना कर रहे हैं क्योंकि खुद फिर से शक्तिमान बनना चाहते हैं। उन्होंने साफ किया कि वे पहले ही शक्तिमान बन चुके हैं, अब उनका काम इस किरदार को आगे बढ़ाना है। मुकेश खन्ना का शो शक्तिमान 1997 से 2005 तक दूरदर्शन पर प्रसारित हुआ और बच्चों के बीच बेहद लोकप्रिय रहा था। रणवीर की एक्टिंग की तारीफ भी की मुकेश खन्ना ने रणवीर सिंह की एक्टिंग की तारीफ करते हुए कहा कि वे शानदार एक्टर हैं और अलग–अलग किरदार निभाने की क्षमता रखते हैं।

इंशाल्लाह एक ऐसी फिल्म है, जिसको लेकर कहा जाता है कि ये संजय लीला भंसाली का ड्रीम प्रोजेक्ट है.पहले इस फिल्म में आलिया भट्ट और सलमान खान की जोड़ी बनने वाली थी. लेकिन कई रिपोर्ट्स में ये कहा गया कि संजय लीला भंसाली और सलमान खान के बीच क्रिएटिव मतभेद के चलते ये प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में चला गया था. News18 की रिपोर्ट के अनुसार अब इस फिल्म पर दोबारा काम शुरू किया जा सकता है. साथ ही अब इंशाल्लाह में सलमान खान की जगह शाहरुख खान नजर आने वाले हैं.डेकन क्रॉनिकल की रिपोर्ट के अनुसार, संजय लीला भंसाली ने इस फिल्म के लिए शाहरुख खान को आलिया भट्ट के अपोजिट कास्ट करने का मन बनाया है. मेकर्स ने नहीं शेयर किया कोई अपडेट पहले भी कहा गया था कि इस फिल्म के लिए शाहरुख खान ही संजय लीला भंसाली की पहली पसंद थे. हालांकि, अभी तक इस खबर को लेकर ऑफिशियल तौर पर कुछ भी नहीं कहा गया है.शाहरुख खान और संजय लीला भंसाली ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अभी तक कोई अपडेट शेयर नहीं किया है. पहले खबर आई थी कि सलमान खान ने क्रिएटिव मतभेदों के चलते ये प्रोजेक्ट छोड़ दिया था. प्रोडक्शन डिजाइनर और सेलिब्रिटी इंटीरियर डिजाइनर रुपीन सूचक ने News18 को दिए इंटरव्यू में बताया था,किस्मत से या बदकिस्मती से, ये फिल्म फ्लोर पर नहीं जा सकी क्योंकि एक बड़ा विवाद हुआ और सलमान सेट्स से चले गए.सलमान खान और संजय लीला भंसाली इस फिल्म को साथ में नहीं करना चाहते थे. प्रोडक्शन डिजाइनर रुपीन सूचक ने News18 को दिए इंटरव्यू में बताया,मैंने भंसाली के साथ इस फिल्म के सेट की एक साल तक प्री–प्लानिंग की थी।

कटा फल और बासी खाना जैसी 13 गलतियां कर देंगी बीमार, गर्मियों में फूड प्वाइजनिंग से बचने के लिए जान लें सावधानी

❍ गर्मियों में खाने–पीने की लापरवाही फूड प्वाइजनिंग का शिकार बना सकती है। बाजार ही नहीं घर के खाने से जुड़ी ये 13 गलतियां करने से बचें, ये आपको बीमार बना सकती हैं।

बढ़ता तापमान कई सारे हेल्थ रिस्क लेकर आता है। बाहर की तेज धूप और लू से बचने के साथ ही कुछ और बीमारियों के खतरे से भी परिवार और खुद को बचाना जरूरी है। इन दिनों उल्टी–दस्त यानी फूड प्वाइजनिंग का खतरा भी काफी ज्यादा होता है। और जरूरी नहीं कि आप बाहर का खाकर बीमार हों। काफी सारे लोग घर के खाने और हेल्दी खाने को खाकर भी बीमार हो जाते हैं। बीते दिनों एक ही परिवार के चार लोगों की मौत डायरिया और उल्टी के कारण हो गई। उन्होंने डिनर में तरबूज खाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फूड प्वॉइजनिंग कारण बताया गया है। ऐसे में समझना जरूरी है कि गर्मियों के दिनों खाने–पीने की चीजों को लेकर किस तरह की सावधानी रखें। जिससे बीमार होने के रिस्क से बच सकें।

आखिर क्यों गर्मी में फूड प्वॉइजनिंग का खतरा ज्यादा होता है

गर्मी में बढ़ते तापमान की वजह से खाने में जर्म्स और बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। जिससे खाना खराब हो जाता है। अब अगर इस खराब खाने को खाया जाए तो उल्टी–दस्त होने का डर रहता है। कई बार ये संक्रमण तेजी से फैलकर पेट में ऐंठन, सूजन और गैस जैसी समस्या पैदा करने लगता है। अगर ये लक्षण ज्यादा तेजी से फैले तो फौरन डॉक्टर के पास जाना जरूरी होता है।

गर्मियों में फूड प्वाइजनिंग से बचना है तो खाने से जुड़ी इन बातों की सावधानी जरूर रखें

1– गर्मियों में पके हुए खाने के साथ ही फल, सब्जियों जैसी चीजों को खाते वक्त भी सावधानी रखनी चाहिए।

2– फलों को अक्सर लोग आधा काटकर खा लेते हैं और बाकी फ्रिज में डाल देते हैं। जबकि फ्रिज में ज्यादा दिन रखा फल भी दूषित हो जाता है और उसमे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

3– फलों को फौरन काटे और खाएं। ध्यान रहे कि फल काटने वाली चाकू साफ पानी से धोई गई हो।

4– खाना पकाते वक्त या सब्जी, फल काटते वक्त हाथ साफ हों।

5– कटे फलों को अगर ध ोना है तो पीने के साफ पानी से धोएं। नल के पानी से कटे फलों को धोने से बचें। इनमे मौजूद जर्म्स फलों के जरिए पेट में पहुंच सकते हैं।

6– फल और सलाद को काटकर बहुत देर रूम टेंपरेचर पर भी ना छोड़ें। इनमे बैक्टीरिया पनपने का खतरा बना रहता है।

7– घर का बना साफ–सुथरा खाना खाएं।

8– रात के बने खाने या सुबह के बने खाने को रात में खाने से बचें।

9– खाना पकाने के बाद ठंडा होने के दो घंटे के अंदर फ्रिज में रख देना चाहिए। दो घंटे से ज्यादा समय होने के बाद पके ताजे खाने में बैक्टीरिया का ग्रोथ होना स्टार्ट हो जाती है।

10– खाने में किसी भी तरह की महक, रंग या स्वाद में बदलाव महसूस हो तो फौरन फेंक देना चाहिए।

11– फूड्स, बाजार के खाने से बचें। खासतौर पर मार्केट में बेच रहे फूड्स जो खुले और काफी लंबे टाइम बने हुए रखे होते हैं।

12– घर के बने खाने को बार–बार गर्म करके खाना।

13– खाने को एक बार फ्रिज से निकालकर गर्म कर दिया तो दोबारा फ्रिज में रखकर खाने की गलती ना करें। ऐसे फूड्स में बैक्टीरिया तेजी से पनपने का खतरा होता है।

रसोई में लाल चीटियों का आतंक फैल रहा तो ये 3 देसी हैक आएगा काम, स्प्रे छिड़केंगी तो दोबारा नहीं आएंगी

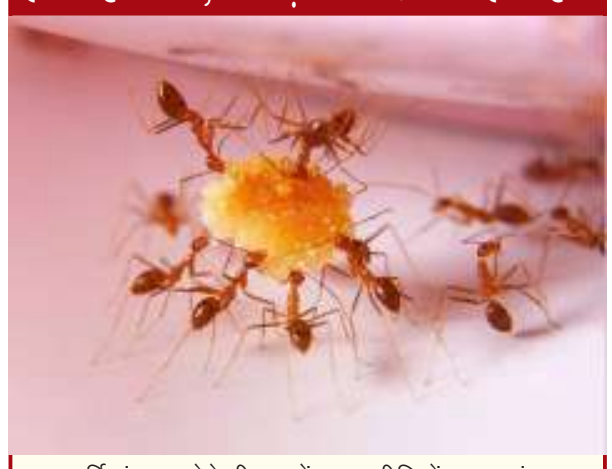

गर्मियां शुरू होते ही घर में लाल चीटियों का आतंक शुरू हो जाता है। खासतौर पर रसोई में रखी खाने–पीने की चीजों में ढेर सारी चीटिंयां लग जाती है। जिससे पूरा खाना बेकार हो जाता है। यहीं नहीं जरा सा खाने–पीने की चीजों के गिरते ही उसमे लाल चीटियां लगने लगती हैं। साथ ही इन लाल चीटियों के काटने का भी डर होता है। अगर आपके घर में भी ये लाल रंग की चीटियां रसोई से लेकर बेडरूम और घर के कोनों से निकलना स्टार्ट हो गई हैं तो बस ये स्प्रे बनाकर छिड़कें। साथ ही ये देसी हैक भी अपनाएं। जिससे घर की चीटियों को बिना नुकसान पहुंचाए आसानी से भगाने में मदद मिलेगी। खासतौर पर जिनके घर में बच्चे या बड़े–बुजुर्ग हैं उन्हें चीटियों को भगाने का जुगाड़ जरूर करना चाहिए, नहीं तो इनके काटने पर तेज जलन और खुजली होती है और तकलीफ होती है।

चीटियों को भगाने वाला देसी स्प्रे बना लें

लाल चीटियों को भगाना है और उन्हें नुकसान भी नहीं पहुंचाना तो बस ये स्प्रे बनाकर रख लें। हर दिन इसका छिड़काव चीटियों को घर से दूर रखेगा और आपके खाने–पीने की चीजें भी खराब नहीं होंगी। इसे बनाने के लिए किचन में रखी मात्र दो चीज की जरूरत पड़ेगी।

चीटियां भगाने वाला स्प्रे बनाना है तो बस दो चीज लें।

किसी स्प्रे बोतल में दो कप व्हाइट विनेगर लें और एक कप पानी डाल कर मिक्स कर लें। बस ढक्कन लगा कर रख लें। किचन की सफाई के बाद इसको सबसे आखिरी में किचन की स्लेब पर और कोनों पर स्प्रे कर दें। विनेगर की तीखी एसिड वाली खट्टी महक से चीटियां पास नहीं फटकेंगी।

नींबू का उपाय करेगा काम

इसके अलावा दरवाजों और खिड़कियों के कोनों के पास जहां पर हल्की भी दरार होती है और वहीं से चीटियां निकलना स्टार्ट हो जाती हैं। उन जगहों पर आधे नींबू को काटकर उसके रस को गिराएं। सारे घर की अच्छी तरह से सफाई करने के बाद इस नींबू के रस को कोने–कोने में जहां से चीटियों के निकलने का सोर्स रहता है। वहां पर गिरा दें। इससे चीटियां कोनों से निकलना बंद कर देंगी और गर्मीभर आपको इनसे छुटकारा मिल जाएगा।

पोछे के पानी में मिलाकर लगाएं

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं और लाल चीटियां घर में बार–बार आ जाती हैं तो सिंपली बस आप पोछे के पानी में एक कप व्हाइट विनेगर को डालकर उससे पोछा लगाएं। इससे भी चीटियां भागेंगी और जमीन पर यहां–वहां चलते हुए नजर नहीं आएंगी।

पपीते के बीज फेंकने की गलती न करें! चावल का आटा मिलाकर बनाएं फेस पैक, ढीली त्वचा पर आ जाएगी कसावट

❍ पपीते के बीजों को हम हमेशा कूड़ा समझकर फेंक देते हैं लेकिन ये आपकी त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते। इन बीजों से बना फेस पैक लगाने से आपकी ढीली त्वचा में कसावट आ जाएगी और निखार भी आएगा।

पपीता लगभग हर किसी का पसंदीदा फल होता है। यह न सिर्फ सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि त्वचा के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। इसमें मौजूद पैपेन (च्यंपद) एंजाइम स्किन से डेड स्किन सेल्स हटाने में मदद करता है और त्वचा को साफ व ग्लोइंग बनाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि पपीते के साथ–साथ उसके बीज भी आपकी स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं? अक्सर हम इन्हें कचरा समझकर फेंक देते हैं, जबकि इनसे आप एक असरदार फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक को बनाना बहुत आसान है और इसके इस्तेमाल से त्वचा में कसावट के साथ–साथ कई अन्य फायदे भी मिलते हैं। आइए जानते हैं पपीते के बीज से फेस पैक बनाने का तरीका।

पपीते के बीज

पपीते के बीज छोटे जरूर होते हैं, लेकिन इनमें कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं। इनमें पपेन (Papain), फ्लेवोनोइड्स (Flavonoids), पॉलीफेनॉल्स (Polyphenols), ओलिक एसिड (Oleic Acid) और पामिटिक एसिड (Palmitic Acid) जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये सभी मिलकर त्वचा को डीप क्लीन करने, पोषण देने और नेचुरल ग्लो बढ़ाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं, पपीते के बीज ढीली त्वचा में कसावट लाने और स्किन की इलास्टिसिटी सुधारने में भी सहायक होते हैं। नियमित रूप से इसका फेस पैक लगाने से कोलेजन प्रोडक्शन को भी बढ़ावा मिल सकता है, जिससे त्वचा ज्यादा टाइट और हेल्दी नजर आती है।

कैसे बनाएं पपीते का फेस पैक

सबसे पहले पपीते के बीजों को अच्छे से धोकर हल्का सुखा लें। इसके बाद इन्हें मिक्सर में डालकर बारीक पीस लें। अब इस पाउडर में 1 चम्मच बादाम का तेल और 1 चम्मच चावल का आटा मिलाएं और अच्छी तरह मिक्स करके स्मूद पेस्ट तैयार कर लें। तैयार पेस्ट को चेहरे पर समान रूप से लगाएं और लगभग 15–20 मिनट तक सूखने दें। इसके बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल हफ्ते में 1–2 बार करें।

क्या मिलेंगे फायदे

पपीते के बीज से बना यह फेस पैक त्वचा में कसावट लाने में मदद करता है और ढीली स्किन को टाइट बनाता है। इसके इस्तेमाल से टैनिंग और कालापन कम होता है, जिससे रंगत निखरती है। साथ ही यह डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को साफ और स्मूद बनाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व स्किन में कोलेजन को सपोर्ट करते हैं, जिससे त्वचा लंबे समय तक जवान और ग्लोइंग बनी रहती है।

पैच टेस्ट

पपीते के बीज का फेस पैक चेहरे पर लगाने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें। ये फेस पैक वैसे तो नेचुरल है लेकिन हर त्वचा अलग होती है, इसलिए इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट करें।

दीवारों में सीलन का पता लगाने का आसान तरीका, छोटा सा एल्यूमिनियम फॉइल का टुकड़ा करेगा मदद

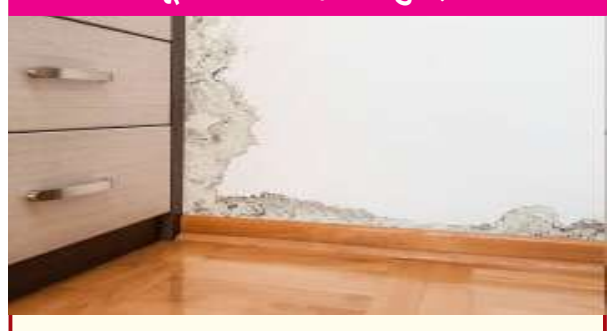

दीवारों की सीलन तब नजर आती है जब पेंट उखड़ने लगता है, सीलन के दाग दिखने लगते हैं और कई बार तो बंद कमरे में दीवारों की सीलन से बदबू भी आना शुरू हो जाती है। लेकिन ये सारी पहचान दरअसल, सीलन काफी ज्यादा होने के बाद दिखती है। दीवारों में पानी की लीकेज जब बढ़ जाती है तभी ये सारी समस्याएं होना स्टार्ट होती है। और, अगर शुरुआत में ही दिख जाए कि आखिर कौन से हिस्से में लीकेज हो रही तो इतने ज्यादा नुकसान से बचा जा सकता है। क्योंकि केवल घर की सीलन वाली दीवारों को ठीक कराने से कुछ नहीं होगा। समस्या तभी खत्म होगी जब आपको लीकेज का पता चलेगा। अब इस लीकेज को पता करने के लिए भी प्लम्बर बुलाना पड़ता है। लेकिन आप इस काम को बड़े ही आसान तरीके से खुद कर सकते हैं और बड़े खर्च को बचा सकते हैं।

जानें दीवारों की सीलन पता करने का तरीका

दीवारों की सीलन पता करने का होम हैक काफी पॉपुलर है एल्यूमिनियम फॉइल टेस्ट।

इसकी टेस्ट से बिना किसी एक्सपर्ट की मदद के आप घर पर ही पता कर सकते हैं कि कौन सी दीवार में लीकेज सीलन के लिए जिम्मेदार है।

क्या है एल्यूमिनियम फॉइल टेस्ट

एल्यूमिनियम फॉइल टेस्ट छोटा सा टेस्ट है जिसकी मदद से आप दीवारों के कौन से हिस्से में पानी की लीकेज या नमी है इसका पता बहुत आसानी से लगा सकते हैं।

तो चलिए जानें कैसे करें ये टेस्ट..

कैसे करें एल्यूमिनियम फॉइल टेस्ट

एल्यूमिनियम फॉइल टेस्ट करने के लिए सबसे पहले फॉइल का छोटा सा लगभग दो से चार इंच लंबा–चौड़ा चौकोर टुकड़ा लेना होता है। उसे दीवार पर टेप की मदद से चिपका दें। करीब 24 घंटे बाद देखें कि फॉइल के किस हिस्से पर नमी जमा हुई है।

टेस्ट से कैसे पता करें सीलन

1– अगर फॉइल के ऊपर पानी जमा है तो इसका मतलब है कि कमरे की हवा में नमी है। जो ठंडी होकर दीवार से टकराकर पानी बन रही है। इसे कंडेंसेशन कहते हैं।

2– अगर फॉइल के अंदर वाले हिस्से पर नमी हो रही तो इसका मतलब है कि दीवार के अंदर नमी और लीकेज है। जिसकी वजह से दीवारों पर सीलन दिख रही।

दीवार के अंदर नमी दिखने के कारण

अगर दीवार के अंदर नमी है तो ये गंभीर और खर्चे वाली समस्या है क्योंकि इसमे दीवार के अंदर पानी के लीकेज होने का खतरा ज्यादा होता है।

गर्मियों में 1 दिन में कितने बादाम खाने चाहिए? हेल्थ एक्सपर्ट से जानें क्या है सही तरीका!

❍ गर्मियों में कितने बादाम खाने चाहिए, ये एक बड़ा कॉमन सवाल है, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि बादाम की तासीर गर्म होती है। ऐसे में अगर सर्दियों वाली आदत ही कायम रखेंगे तो शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। आइए देखते हैं हेल्थ एक्सपर्ट्स का इसपर क्या कहना है।

बादाम एक सुपरफूड है, जिसे रोज खाने की सलाह हमारे बड़े–बुजुर्गों से ले कर डॉक्टर्स तक देते हैं। बादाम में विटामिन ई, एंटीऑक्सीडेंट्स, हेल्दी फैट्स और फाइबर जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। हालांकि अक्सर लोग इसकी मात्रा को ले कन्फ्यूज देते हैं। खासतौर से गर्मियों में कितने बादाम खाने चाहिए, ये एक बड़ा कॉमन सवाल है, क्योंकि हम सभी जानते हैं कि बादाम की तासीर गर्म होती है। ऐसे में अगर सर्दियों वाली आदत ही कायम रखेंगे तो शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। कुछ लोग तो गर्मियों में बादाम खाना पूरी तरह अवॉइड करते हैं, जो सही नहीं है। आप बादाम गर्मियों में भी खा सकते हैं, बस इसकी सही मात्रा और खाने का तरीका जानने की जरूरत है। आइए देखते हैं हेल्थ एक्सपर्ट्स का इसपर क्या कहना है।

गर्मियों में कितने बादाम खाना सही है?

बादाम की तासीर गर्म होती है इसलिए गर्मियों में इनका सेवन लिमिट में ही करना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक सर्दियों में आप 8–10 बादाम रोजाना खा सकते हैं, लेकिन गर्मियों में इनकी मात्रा घटा देनी चाहिए। इन दिनों डेली 4–5 बादाम खाना पर्याप्त होता है। इससे शरीर में गर्मी भी नहीं बढ़ेगी और बादाम का जरूरी पोषण भी मिल जाएगा।

गर्मियों में बादाम खाने का सही तरीका क्या है?

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक गर्मियों में बादाम को भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। आप रात में 4–5 बादाम पानी में भिगोकर रख सकते हैं और सुबह छिलका उतार कर खा सकते हैं। इससे बादाम की तासीर कुछ ठंडी हो जाती है और इन्हें पचाना भी आसान होता है। वैसे अगर आप बादाम को भिगोकर रखना भूल गए हैं, तो इन्हें नॉर्मली भी खा सकते हैं। बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ता है।

गर्मियों में ज्यादा बादाम खाने से क्या होता है?

सर्दियों की तरह ही अगर आप गर्मियों में भी ज्यादा बादाम खा रहे हैं, तो शरीर में गर्मी बढ़ सकती है। इससे मुंह में छाले, पिंपल्स या पाचन संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। कुछ लोगों में एलर्जी और खुजली के लक्षण भी देखे जा सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि संतुलित मात्रा में ही इनका सेवन करें।

खाली पेट खाएं या खाने के बाद?

एक और सवाल अक्सर पूछा जाता है कि बादाम खाने का सही समय क्या है। खाने के बाद या फिर सुबह खाली पेट। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो सुबह खाली पेट बादाम खाना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। इससे दिनभर के लिए एनर्जी मिलती है और मेटाबॉलिज्म भी बेहतर रहता है। हालांकि कुछ लोगों का पेट काफी सेंसेटिव होता है, उनके लिए नाश्ते के बाद भी बादाम खाना सही रहता है।

नोट : यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

रात के बचे चावल में सिर्फ 4 चीजें मिलाकर बनाएं फूली-फूली इडली, इस 1 ट्रिक से 10 मिनट में बन जाएगा बैटर!

❍ रात के चावल बच गए हैं तो उनसे आप हेल्दी और टेस्टी इडली बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसमें ज्यादा चीजों की जरूरत नहीं होती और फर्मेंटेशन के लिए रखना भी भी पड़ता। आइए फटाफट से रेसिपी जान लेते हैं।

कितना भी सोच–समझकर खाना बना लो, थोड़ा बहुत तो बच ही जाता है। खासतौर से अगर रात को चावल बने हैं, तो काफी बार बच ही जाते हैं जिन्हें फ्रिज में स्टोर कर के रख दिया जाता है। अब इनका क्या किया जाए ये अक्सर समझ ही नहीं आता। दोबारा तो गर्म कर के खाने का मन करता नहीं है। तो क्यों ना इनकी फूली–फूली इडली बना ली जाएं? जी हां, रात के बचे हुए चावलों से इडली बनाना बहुत ही आसान है और ये इतनी ज्यादा टेस्टी बनती हैं कि कोई कहेगा नहीं कि आपने इन्हें चावल से बनाया है। ये हेल्दी डिश है और फटाफट बन भी जाती है, इसलिए सुबह के नाश्ते के लिए एकदम परफेक्ट रहेगी। इसके साथ आप सांभर या नारियल की चटनी बना सकती हैं। टेस्टी और हेल्दी मील तैयार हो जाएगी। तो चलिए फटाफट से इसकी रेसिपी देख लेते हैं।

बचे हुए चावल से इडली बनाने के लिए सामग्री

सुबह के नाश्ते में फूली–फूली इडली बनाने के लिए आपको जिन सामग्रियों की जरूरत होगी वो हैं– बचे हुए चावल (1 कप), सूजी (3/4 कप), दही (आधा कप), बेकिंग सोडा या ईनो (आधा चम्मच), स्वादानुसार नमक और जरूरत के हिसाब से पानी।

नाश्ते में झटपट बनाएं चावल से इडली, देखें विधि

रात के बचे हुए चावल से आप फटाफट हेल्दी और टेस्टी इडली बना सकती हैं। इसके लिए फर्मेंटेशन प्रॉसेस की जरूरत नहीं पड़ती, इसलिए जब मन हो और बचे हुए चावल रखे हों, आप इंस्टेंट इडली तुंरत बनाकर तैयार कर सकती हैं। बनाने के लिए सबसे पहले बचे हुए चावल मिक्सर में डालें और थोड़ा सा पानी डालकर पीस लें। एक पेस्ट सा बनाकर तैयार कर लें, जो ना ही बहुत गाढ़ा हो और ना ही ज्यादा पतला। अब इस पेस्ट में दही, सूजी और स्वादानुसार नमक डालें और अच्छे से मिक्स करें। साथ में आप थोड़ा सा ऑयल भी मिला सकती हैं, इससे इडली काफी टेस्टी बनती हैं। अब इस बैटर को आपको लगभग 10 मिनट के लिए रेस्ट देना ।

संक्षिप्त

बैकफायर हुई फुटबॉल के मंच से राजनीति की कोशिश, फलस्तीन ने किस तरह इन्फेंटिनो की उम्मीद पर फेरा पानी

वेंकूवर,एजेंसी। फुटबॉल संचालक वैश्विक संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस्राइल–फलस्तीन के पदाधिकारियों को मंच पर बुलाकर हाथ मिलवाने की कोशिश की, लेकिन फलस्तीन के स्पष्ट इनकार करने से कवायद बैकफायर हो गई। सोशल मीडिया पर उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कम वक्त बिताने की सलाह मिल रही है, जो उनके जिगरी दोस्त हैं। गुरुवार को 76वीं फीफा कांग्रेस में इन्फेंटिनो ने मंच पर इस्राइली फुटबाल संघ के उपाध्यक्ष बासिम शेख सुलेमान व फलस्तीन फुटबाल संघ के अध्यक्ष जिब्रिल राजौब को आमंत्रित किया। दोनों से बच्चों को उम्मीद देने के नाम पर आपस में हाथ मिलाने की अपील की, लेकिन राजौब ने सुलेमान से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और इन्फेंटिनो के गाल पर अलविदा चुंबन कर मंच से चले गए। फलस्तीन फुटबॉल की उपाध्यक्ष सुसान शलाबी ने कहा, हम उस व्यक्ति से हाथ नहीं मिला सकते, जिसे इस्राइलियों ने अपने फासीवाद और नरसंहार को छिपाने के लिए भेजा है। हम पीड़ित हैं। पिछले साल दिसंबर में जियानी इन्फेंटिनो ने फीफा की तरफ से हर साल फीफा पीस प्राइज देने की घोषणा की थी। यह प्राइज पहली बार डोनाल्ड ट्रंप को शांतिदूत बताते हुए दिया गया, जिसके लिए इन्फेंटिनो बेहद विवाद में घिरे थे। उन पर ट्रंप की छवि चमकाने की कोशिश का आरोप लगा था। बता दें कि इस बार फीफा विश्व कप का आयोजन अमेरिका ही कर रहा है।

भारत को लगा झटका, लक्ष्य सेन का मुकाबले में खेलना मुश्किल

हॉर्सन्स,एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन टीम का थॉमस कप के सेमीफाइनल में फ्रांस से सामना होना है, लेकिन इससे पहले ही टीम को झटका लगा है। भारत के स्टार पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन का इस मैच में खेलना मुश्किल है क्योंकि उनके कोहनी में सूजन है। लक्ष्य ने क्वार्टर फाइनल में विश्व नंबर छह चोउ टिएन चेन के खिलाफ एक घंटे 28 मिनट तक चले मैच में 18–21, 22–20, 21–17 से जीत दर्ज की थी जिससे भारत ने चीनी ताइपे के खिलाफ 3–0 की अजेय बढ़त बना ली थी। मैच के दौरान हालांकि, राष्ट्रमंडल खेलों के चौंपियन लक्ष्य चोटिल हो गए थे और उनकी कोहनी में चोट आई थी। भारतीय टीम के पूर्व कोच और लक्ष्य के मेंटर विमल कुमार ने कहा, चोउ टिएन चेन के खिलाफ मैच में गिरने के बाद लक्ष्य के हाथ में, खासकर कोहनी के आसपास सूजन आ गई है। साथ ही उनके पैरों में छाले भी पड़ गए हैं। अगर लक्ष्य मैच में नहीं खेल सके तो उनकी जगह युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी को मौका मिलेगा जो ओपनिंग पुरुष एकल मैच में विश्व के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव के खिलाफ खेलेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों का एकमात्र आमना–सामना 2024 में हाइलो ओपन में हुआ था जहां पोपोव ने भारतीय खिलाड़ी को मात दी थी। विश्व के 30वें नंबर के खिलाफ किदांबी श्रीकांत दूसरे पुरुष एकल वर्ग में विश्व के 10वें के खिलाड़ी एलेक्स लेनिएर के खिलाफ खेलेंगे। वहीं, एचएस प्रणय तीसरे पुरुष एकल खिलाड़ी होंगे जो विश्व नंबर 17 तोमा जूनियर पोपोव के खिलाफ मैच खेलेंगे। उन दोनों के बीच 1–0 का रिकॉर्ड है। तोमा ने पिछले साल ऑल इंग्लैंड क्लब में प्रणय को हराया था। अगर एकल वर्ग में नतीजा नहीं निकला तो हरिहरण अमसाकारुनान और एमआर अर्जुन की जोड़ी पहले युगल मुकाबले में एलोई और लियो रोसी का सामना करेगी। आखिरी मैच में विश्व के चौथी नंबर की जोड़ी सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पोपोव ब्रदर्स का सामना करेंगे। भारत ने सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ही पदक पक्का कर लिया है। इस टूर्नामेंट को भारत ने 2022 में जीता था, जबकि 1952, 1955 और 1979 में उसे कांस्य पदक मिला था।

पहली बार मैड्रिड ओपन के फाइनल में बनाई जगह

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने करियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6–2, 6–4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6–2, 7–5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं। यही नहीं सिनर एक विशिष्ट सूची में भी शामिल हो गए हैं। वह रोजर फेडरर, नोवाक जोकोविच और राफेल नडाल के बाद सभी नौ मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे और सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी हैं।

केएल राहुल के नाम दर्ज हुआ विशेष रिकॉर्ड, अब तक रोहित–कोहली भी नहीं कर सके ऐसा, जानें उपलब्धि

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का बल्ला जमकर रन उगल रहा है। राहुल सिर्फ रन ही नहीं बना रहे, बल्कि लंबे–लंबे छक्के और दर्शनीय चौके भी लगा रहे हैं। शुक्रवार को जयपुर में राहुल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 40 गेंदों पर 75 रन की पारी खेली थी। इस पारी में उन्होंने पांच छक्के लगाए। इस दौरान राहुल के नाम एक बेहद खास रिकॉर्ड दर्ज हो गया। केएल राहुल आईपीएल में बतौर ओपनर 200 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने बतौर ओपनर आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में विराट कोहली और रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। राहुल के नाम ओपनिंग करते हुए 201 छक्के हो गए हैं, जबकि विराट कोहली ने 192 और रोहित शर्मा ने 148 छक्के लगाए हैं। शिखर धवन 143 छक्के लगाकर भारतीय ओपनरों में चौथे स्थान पर हैं। वहीं, आईपीएल में बतौर ओपनर सर्वाधिक छक्के लगाने वाली ओवरऑल सूची में राहुल तीसरे नंबर पर हैं। क्रिस गेल (326 छक्के) पहले और डेविड वॉर्नर (210 छक्के) दूसरे स्थान पर हैं। राहुल ने आईपीएल 2026 के नौ मैचों में एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 433 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 24 छक्के और 42 चौके निकले हैं। राहुल ने इसी सीजन में पंजाब किंग्स के खिलाफ 67 गेंदों पर नौ छक्कों और 16 चौकों की मदद से नाबाद 152 रन की पारी खेली थी। यह आईपीएल में किसी भी भारतीय बल्लेबाज का सर्वाधिक स्कोर है। वहीं, आईपीएल का तीसरा सबसे बड़ा व्यक्तिगत स्कोर है। केएल राहुल के आईपीएल करियर पर नजर डालें तो उन्होंने ओपनिंग के अलावा मध्यक्रम में भी बल्लेबाजी की है। 2013 से अब तक खेले कुल 154 मैचों की 145 पारियों में छह शतक और 43 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने कुल 5655 रन बनाए हैं। इस दौरान 232 छक्के और 494 चौके उनके बल्ले से निकले हैं।

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख, सैंकड़ों करोड़ की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली,एजेंसी। बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई। पारेख के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था, जिसके आधार पर उसे यूएई में ट्रैक कर हिरासत में लिया गया। भारत के औपचारिक अनुरोध और दोनों देशों के बीच कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उसे भारतीय एजेंसियों को सौंप दिया गया। जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कर रहा था। अनुमान है कि इस मामले में सैकड़ों करोड़ रुपये की रकम का दुरुपयोग किया गया। सीबीआई की जांच में सामने आया है कि पारेख ने अन्य प्रमोटरों और निदेशकों के साथ मिलकर बैंक से लिए गए फंड को विदेशों में स्थित कंपनियों के जरिए डायवर्ट किया। इसके लिए फर्जी निर्यात गतिविधियों, संदिग्ध वित्तीय लेन–देन और बैंकिंग चौनलों के दुरुपयोग का सहारा लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ने यूएई सहित कई देशों में फैले अपने कारोबारी नेटवर्क का इस्तेमाल कर इस धोखाधड़ी को अंजाम दिया। जांच एजेंसियां अब उससे पूछताछ कर पूरे नेटवर्क और अन्य आरोपियों की भूमिका का पता लगाने में जुटी हैं। सीबीआई, जो भारत में इंटरपोल के लिए नेशनल सेंट्रल ब्यूरो के रूप में कार्य करती है, भारतपोल प्लेटफॉर्म के जरिए देश की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ समन्वय करती है। इसी सहयोग का नतीजा है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल चैनलों के माध्यम से 150 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है। यह ताजा कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मजबूत सहयोग का एक और महत्वपूर्ण उदाहरण मानी जा रही है। वहीं वांछित आरोपी आलोक कुमार उर्फ यशपाल सिंह को संयुक्त अरब अमीरात से भारत लाया गया है। सीबीआई के अनुसार, आरोपी हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में वांछित था, जिसमें धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और फर्जी दस्तावेजों के जरिए पासपोर्ट हासिल करने जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। जांच में सामने आया है कि आलोक कुमार एक संगठित गिरोह का प्रमुख साजिशकर्ता था, जो फर्जी दस्तावेज और झूठी जानकारी के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाने का काम करता था। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने आपराधिक पृष्ठभूमि वाले कई लोगों को फर्जी पहचान और पते के जरिए पासपोर्ट दिलाने में मदद की। मामले में आगे की जांच जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

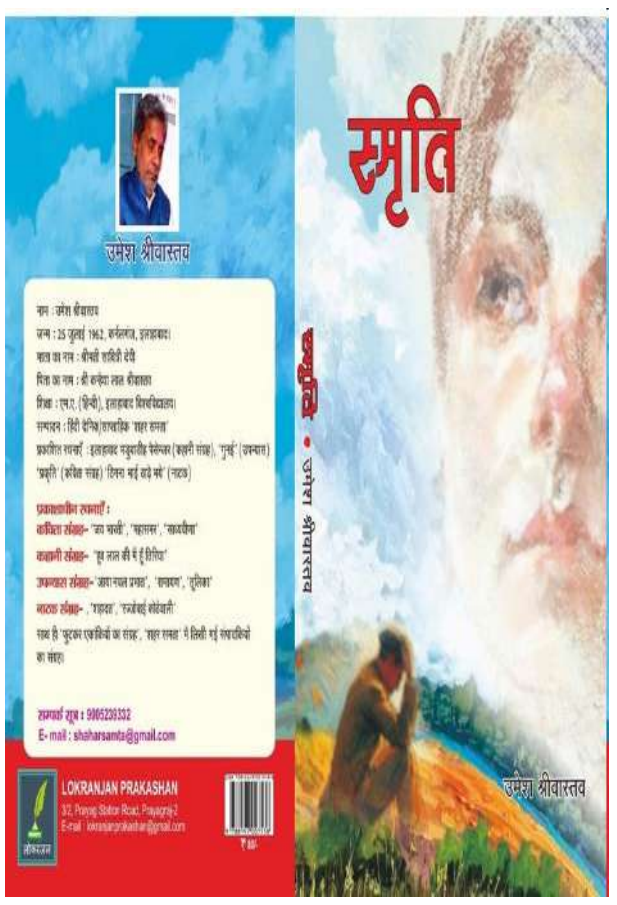

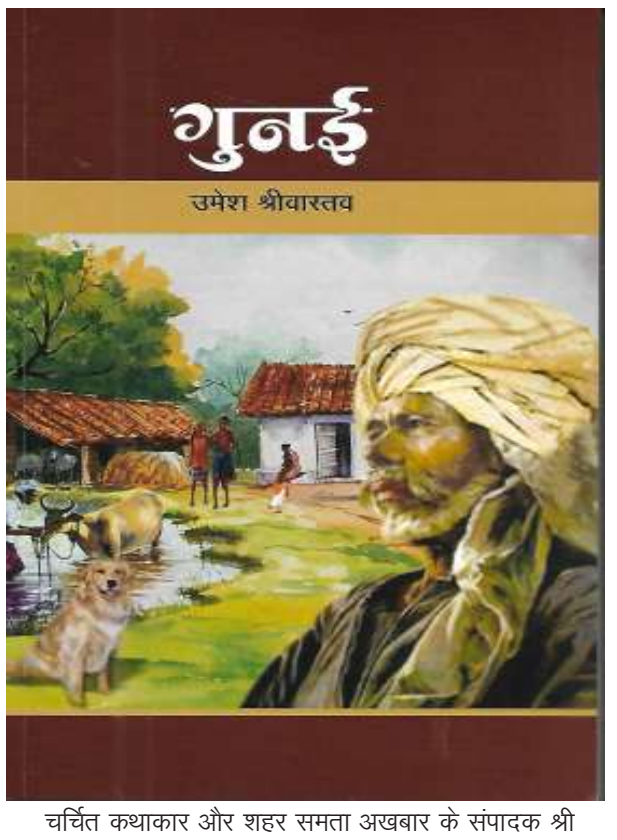

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

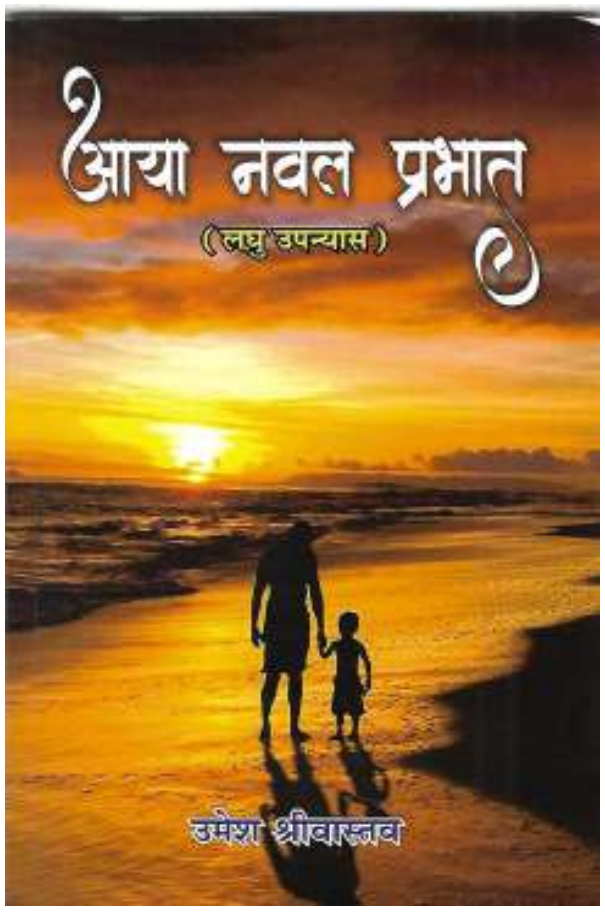

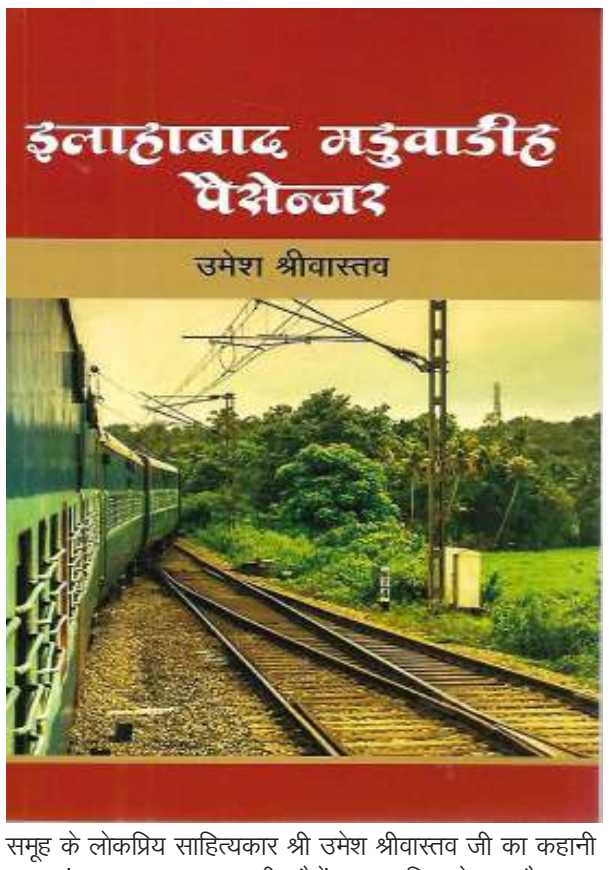

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

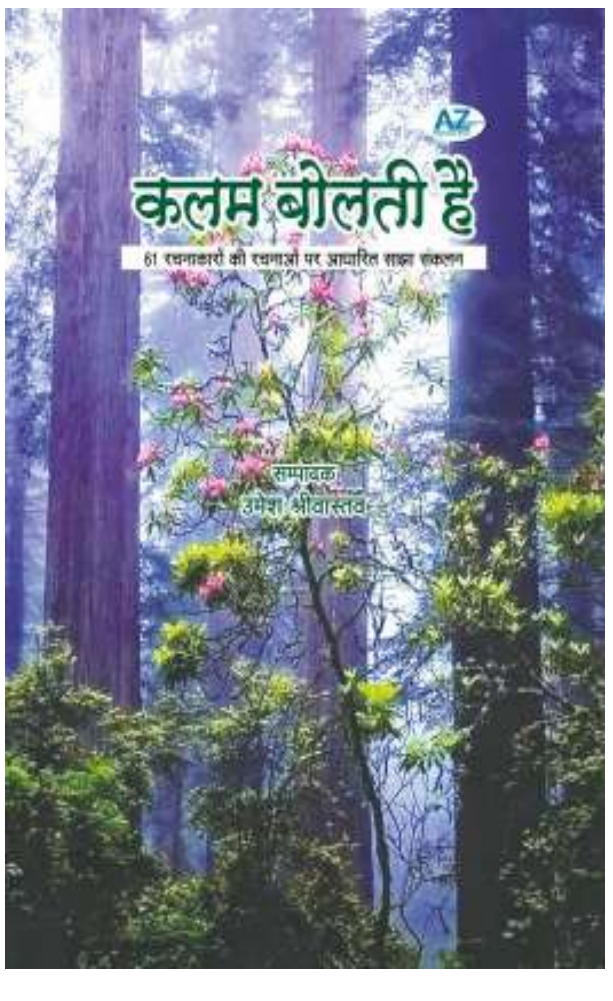

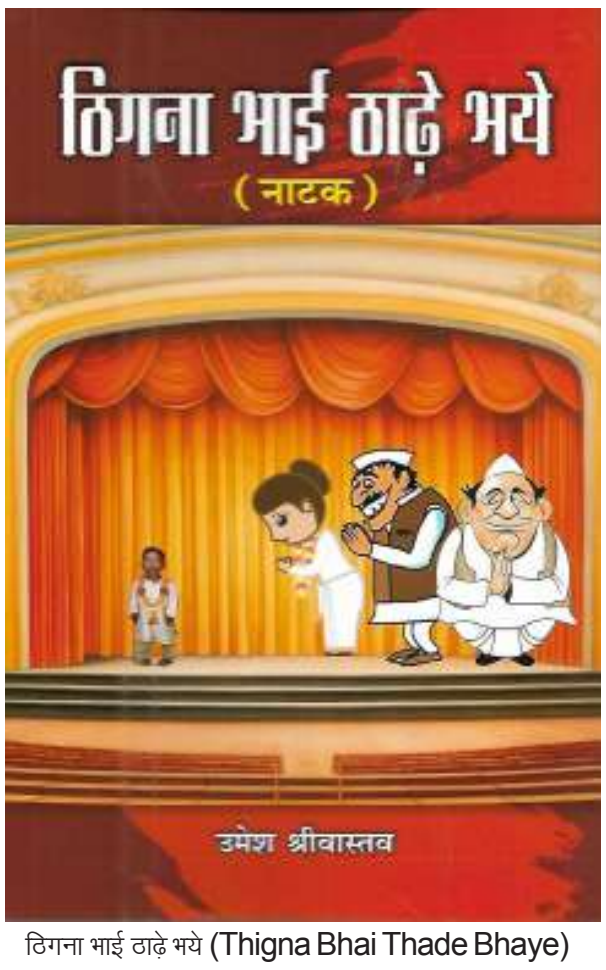

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

कनाडा ने खुफिया रिपोर्ट में माना- खालिस्तानियों से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा, भारत पर फिर लगाया आरोप

ओटावा, एजेंसी। कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में माना गया है कि खालिस्तानी तत्वों से कनाडा को खतरा पैदा हो रहा है। रिपोर्ट में क्या कहा गया है? सीएसआईएस की 2025 की रिपोर्ट कनाडा की संसद में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां लगातार एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा देती हैं। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि चीन, रूस और भारत ने जासूसी के जरिये कनाडा की अंदरूनी राजनीति में दखल दिया है। ये अकेले देश नहीं हैं जो ऐसा करने की कोशिश करते हैं। एअर इंडिया उड़ान 182 की घटना जिक्र रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल एअर इंडिया की उड़ान 182 में बम विस्फोट की 40वीं बरसी थी, जिसके संदिग्ध कनाडा आधारित खालिस्तानी

चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। यह कनाडा के इतिहास का अब तक का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है। इसमें 329 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक थे। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में कनाडा में खालिस्तानी समूहों से जुड़ा कोई हमला नहीं हुआ। चरमपंथी समूहों की गतिविधियों से पैदा हो रहा खतरा रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे चरमपंथी समूहों की गतिविधियां कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों के लिए लगातार खतरा बनी हुई हैं। इनमें से कुछ लोग कनाडाई नागरिकों से जुड़े हैं और कनाडा की संस्थाओं का उपयोग करके अपने हिंसक एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं। समुदाय के लोगों से पैसे इकट्ठा करते हैं, जिन्हें बाद में हिंसक गतिविधियों में लगाया जाता है। भारत समेत इन देशों पर लगाए आरोप इसमें आगे कहा गया है कि दुनिया में बदलते हालात के बीच चीन, रूस, भारत, ईरान, पाकिस्तान और कुछ अन्य देश कनाडा की राजनीति में दखल देने की कोशिश करते रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि भारत ने कनाडाई नेताओं, पत्रकारों और भारतीय मूल के समुदाय के लोगों से संबंध बनाए हैं, जिससे कनाडा में श्ट्रांसनेशनल रेप्रेशनश यानी सीमा पार दमन की स्थिति बनी है। इसमें निगरानी और दबाव जैसी गतिविधियां शामिल बताई गई हैं। जिनका उद्देश्य भारत सरकार की आलोचना को दबाना और समुदाय में डर पैदा करना है। साथ ही यह भी कहा गया है कि कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी के कारण इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि भारत अपनी अंदरूनी स्थिरता के लिए खतरों का सामना करता है, जिसमें खालिस्तान अलगाववाद भी शामिल है। कनाडा में खालिस्तान समर्थन एक कानूनी राजनीतिक गतिविधि है। कार्नी के पीएम बनने के बाद संबंधों में सुधार यह रिपोर्ट 2025 की खुफिया आकलन पर आधारित है। लेकिन हाल के समय में इसमें बदलाव के संकेत भी मिले हैं। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के कार्यभार संभालने के बाद कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें लगता है कि भारत वर्तमान में कनाडा की धरती पर किसी हिंसक अपराध या खतरे से जुड़ा नहीं है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख माइक ड्यूहेम ने भी कहा कि कनाडा के लिए किसी विदेशी एजेंट से कोई सीधा खतरा साबित नहीं हुआ है। भारत और कनाडा के संबंध हाल के वर्षों में काफी खराब हो गए थे। दरअसल, कनाडा ने खालिस्तानी तत्वों को लेकर नरमी दिखाई। कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत सरकार पर आरोप लगाया था कि उसके एजेंट कथित रूप से उसकी हत्या में शामिल हो सकते हैं। इसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखा गया था। भारत ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया था और इन्हें राजनीति से प्रेरित बताया था।

ईरान के खिलाफ युद्ध खत्म हो चुका है, 60 दिन की समयसीमा पूरी होने पर ट्रंप ने संसद को दी जानकारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संसद को बताया है कि ईरान के खिलाफ चल रहा युद्ध खत्म हो गया है। ट्रंप ने ईरान युद्ध की 60 दिन की कानूनी समयसीमा खत्म होने के बाद सांसदों को यह जानकारी दी। पॉलिटिको के अनुसार, ट्रंप ने सांसदों को लिखे एक पत्र में कहा, श्7 अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है।श उन्होंने आगे कहा, श्28 फरवरी 2026 को शुरू हुई शत्रुता अब समाप्त हो चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह कदम ईरान युद्ध को जारी रखने के लिए कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत के विवाद को शांत करने की कोशिश माना जा रहा है। अमेरिका में 1973 में पारित श्वार पावर्स रिजोल्यूशनश के तहत राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई की सूचना कांग्रेस को देने के बाद 60 दिनों के भीतर उसे समाप्त करना होता है, जब तक कि कांग्रेस आगे की कार्रवाई को मंजूरी न दे। अमेरिका और इस्राइल ने 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान शुरू किया था। ट्रंप प्रशासन ने 2 मार्च को औपचारिक रूप से कांग्रेस को इसकी जानकारी दी थी, जिसके बाद 60 दिन की समयसीमा 1 मई को समाप्त हो गई। राष्ट्रपति ट्रंप ने भले ही 1 मई को सांसदों को दी जानकारी में ईरान युद्ध समाप्त होने की बात कही है, लेकिन अभी भी इसे लेकर अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि वह ईरान के मौजूदा प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं, हालांकि कूटनीति और सैन्य कार्रवाई दोनों विकल्प खुले हैं। पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा, श्वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मैं उससे संतुष्ट नहीं हूं, इसलिए देखना होगा कि आगे क्या होता है। उन्होंने ईरान के नेतृत्व को बिखरा हुआ बताया और कहा कि इसी वजह से सहमति नहीं बन पा रही है। ट्रंप ने कहा, श्वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन वे पूरी तरह उलझे हुए हैंश। ट्रंप ने दावा किया कि ईरानी नेतृत्व काफी असंगठित है और अंदरूनी मतभेदों से घिरा हुआ है। ट्रंप के मुताबिक, आंतरिक मतभेदों के कारण तेहरान की बातचीत की स्थिति कमजोर हो रही है। उन्होंने कहा कि नेता आपस में सहमत नहीं हैं और यह तक साफ नहीं है कि नेतृत्व कौन कर रहा है, जिससे वार्ता जटिल हो रही है। कड़ी बयानबाजी के बावजूद ट्रंप ने कहा कि वह कूटनीतिक समाधान को प्राथमिकता देते हैं। उन्होंने कहा, श्क्या हम जाकर पूरी तरह हमला कर दें और इसे हमेशा के लिए खत्म कर दें, या फिर समझौते की कोशिश करें? मैं मानवीय आधार पर पहले विकल्प के पक्ष में नहीं हूं।श हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि यदि बातचीत विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई एक विकल्प बनी रहेगी।

नाकाबंदी से ईरान को हुआ 4.8 अरब डॉलर का नुकसान, जारी है कार्रवाई', अमेरिका के रक्षा मंत्रालय का दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि फारस की खाड़ी में अमेरिकी नाकेबंदी और कार्रवाई से ईरान को तेल के राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ

है। एक्सिओस ने पेंटागन के अनुमान के आधार पर अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के आकलन के अनुसार, इस क्षेत्र में अमेरिका की कार्रवाई के कारण ईरान को तेल से होने वाली आय में करीब पांच अरब डॉलर का नुकसान हुआ है। यह नुकसान इसलिए हुआ, क्योंकि अमेरिका की तरफ से समुद्र में जो कार्रवाई की जा रही है, उससे ईरान का समुद्री व्यापार और ऊर्जा निर्यात बाधित हो गया है। पूरी ताकत के साथ जारी है नाकाबंदीरू पेंटागन

यह रिपोर्ट ऐसे समय आई है जब होर्मुज जलडमरूमध्य के पास जलमार्गों को लेकर तनाव जारी है, जो दुनिया के सबसे अहम जलमार्गों में से एक माना जाता है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के जनसंपर्क अधिकारी सीन पार्नेल ने पेंटागन के कार्यवाहक प्रेस सचिव जोएल वाल्डेज के बयान का हवाला दिया। वाल्डेज ने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई का मकसद ईरान पर लगातार आर्थिक दबाव बनाए रखना है। उन्होंने एक्स पर लिखा, होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी नाकेबंदी पूरी ताकत से जारी है और वह परिणाम दे रही है, जिसकी हमने उम्मीद की थी। उन्होंने आगे कहा, हम ईरानी शासन की आतंकवाद और क्षेत्रीय अस्थिरता को फंड करने की क्षमता को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। हमारे सशस्त्र बल इस क्षेत्र में लगातार दबाव बनाए रखेंगे। अमेरिकी वित्त मंत्री ने साधा ईरानी नेतृत्व पर निशाना इस बीच, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने ईरानी नेतृत्व को श्गटर के पाइप के चूहेश बताया और कहा कि तेहरान की सरकार को जमीनी हकीकत का पता नहीं है और अंतरराष्ट्रीय समुदाय उनके खिलाफ हो चुका है। उन्होंने कहा कि अमेरिका का होर्मुज जलडमरूमध्य पर पूरा नियंत्रण है और जब तक समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता (फ्रीडम ऑफ नेविगेशन) बहाल नहीं होती, तब तक नाकेबंदी जारी रहेगी। बेसेंट ने एक्स पर लिखा कि ईरान की स्थिति बहुत खराब है। वहां डॉलर की कमी है। भोजना और पेट्रोल का सीमित मात्रा में वितरण हो रहा है और पूरी दुनिया उसके खिलाफ है। उन्होंने कहा कि नाकेबंदी जारी रहेगी। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका में ईरानी दूतावास ने बेसेंट की टिप्पणी की आलोचना की। इससे पहले इस्लामाबाद में वार्ता विफल होने के बाद 13 अप्रैल को अमेरिका ने ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी शुरू कर दी थी।

ट्रंप की ईरान को धमकी- हम पागलों को परमाणु हथियार नहीं रखने दे सकते, यूरोप को भी चेतावनी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई का बचाव किया। फ्लोरिडा के एक स्कूल में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर ईरान परमाणु हथियार बना लेता, तो इस्राइल, पश्चिम एशिया और यूरोप पूरी तरह तबाह हो जाते और इनके टुकड़े–टुकड़े हो जाते। ट्रंप ने बताया कि अमेरिका ने बी–2 (ठ2) बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल करके ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोक दिया। ट्रंप ने किया दावा अमेरिका ने दावा किया कि ईरान की सैन्य क्षमता अब लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास अब न तो नौसेना बची है और न ही वायुसेना। उनके पास रडार और विमान भेदी उपकरण भी नहीं हैं। ट्रंप के अनुसार, ईरान का नेतृत्व पूरी तरह कमजोर हो चुका है और उनके पास कोई नेता नहीं है। अमेरिका संघर्ष से पीछे नहीं हटेगा ईरान के साथ चल रही बातचीत पर ट्रंप ने असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि ईरान के साथ वैसा समझौता नहीं हो पा रहा है, जैसा अमेरिका चाहता है। ईरान ने हाल ही में एक नया प्रस्ताव दिया था, लेकिन ट्रंप उससे संतुष्ट नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान के नेतृत्व के भीतर मौजूद आंतरिक मतभेदों की ओर भी इशारा किया, और कहा कि यह आपसी फूट बातचीत की प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। ट्रंप ने साफ किया कि अमेरिका इस संघर्ष से जल्दी पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने कहा कि हम जल्दी नहीं जाएंगे ताकि तीन साल बाद फिर से ऐसी समस्या खड़ी न हो। ईंधन की कीमतों पर कही ये बात फ्लोरिडा रवाना होने से पहले व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने ईंधन की कीमतों पर भी चर्चा की। उन्होंने माना कि इस समय पेट्रोल के दाम ऊंचे हैं, लेकिन दूसरी चीजों की कीमतें कम हुई हैं। ट्रंप ने भरोसा दिलाया कि जैसे ही यह युद्ध खत्म होगा और ईरान परमाणु खतरे से मुक्त हो जाएगा, पेट्रोल की कीमतें अपने आप नीचे आ जाएंगी।

ईरानः 'होर्मुज सुरक्षा और समृद्धि का स्रोत बनेगा', IRGC ने अहम जलमार्ग के लिए की नए नियमों की घोषणा

तेहरान, एजेंसी। ईरान की इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने दक्षिणी तट के पास के समुद्री क्षेत्र को लेकर श्नए नियमश घोषित किए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया प्रेस

टीवी के अनुसार, ईरान का कहना है कि वह अरब की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री मार्गों पर अपना नियंत्रण मजबूत करना चाहता है। आईआरजीसी नौसेना ने क्या कहा? आईआरजीसी की नौसेना कमान की ओर से बयान जारी किया गया। इस बयान में कहा गया कि वह अरब की खाड़ी और रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य के साथ फैली ईरान की लगभग 2,000 किलोमीटर लंबी तटरेखा पर नियंत्रण रखेगी। बयान में कहा गया कि इन कदमों का मकसद इन जल क्षेत्र को श्ईरान की जनता के लिए गर्व और ताकत का स्रोत, और क्षेत्र के लिए सुरक्षा और समृद्धि का स्रोतश बनाना है। विदेशी ताकतों के लिए क्षेत्र में जगह नहींरू ईरानी सर्वोच्च नेता प्रेस टीवी के अनुसार, एक दिन पहले ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने निर्देश जारी करते हुए कहा था कि फारस की खाड़ी को निशाना बनाने वाली खौफनाक विदेशी ताकतों के लिए इस क्षेत्र में कोई जगह नहीं है, सिवास कि वे इसके पानी की गहराई में हों। अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगियों पर साधा निशाना 13 अप्रैल को इस्लामाबाद वार्ता के विफल होने के बाद अमेरिका ने ईरान की नाकाबंदी शुरू कर दी थी। इससे पहले शुक्रवार को मोजतबा खामेनेई ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को श्कागजी शेरश बताया। वॉशिंगटन और तेहरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच उन्होंने इन ठिकानों की अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने की क्षमता पर सवाल उठाया। एक्स पर किए गए पोस्ट में खामेनेई ने क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों की रक्षा क्षमता का मजाक उड़ाया और साथ ही वॉशिंगटन के क्षेत्रीय सहयोगियों पर भी निशाना साधा, जिसमें इस्राइल और कुछ अरब देश शामिल हैं, जिन्होंने इस संघर्ष के दौरान अमेरिका का समर्थन किया है।

संक्षिप्त

ट्रंप प्रशासन ने पश्चिम एशिया के चार देशों को 8.6 अरब डॉलर के हथियारों की पेशकश की, संसद को किया दरकिनार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने पश्चिम एशिया के चार सहयोगी देशों को 8.6 अरब डॉलर से ज्यादा के हथियार बेचने की पेशकश की है। यह पेशकश कांग्रेस (अमेरिकी संसद) की समीक्षा को दरकिनार करके की गई है। ये देश इस्राइल, कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन हथियारों में आधुनिक सटीक लक्ष्य भेदने वाले हथियार प्रणाली, वायु और मिसाइल रक्षा की आपूर्ति बहाली सेवाएं और एक एकीकृत युद्ध कमान प्रणाली शामिल हैं। ईरान के साथ युद्ध समाप्त हो गयारू ट्रंप इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सांसदों को बताया कि ईरान के खिलाफ युद्ध श्खत्मश हो गया है। यह सैन्य कार्रवाई कांग्रेस की अनुमति के बिना शुरू की गई थी। इसके लिए 60 दिन की कानूनी सीमा पूरी हो चुकी है। ट्रंप ने एक पत्र में कहा, सात अप्रैल 2026 के बाद से अमेरिका और ईरान के बीच कोई गोलीबारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 28 फरवरी 2026 को शुरू हुआ संघर्ष अब समाप्त हो गया है। ट्रंप ने क्यों कहा ईरान के साथ खत्म हो गया युद्ध? रिपोर्ट के अनुसार, उनका यह पत्र कांग्रेस और युद्ध को लेकर उसकी मंजूरी की जरूरत पर चल रहे विवाद को खत्म करने की कोशिश है। 1973 के युद्ध शक्ति प्रस्ताव (वार पावर्स रेजोल्यूशन) के तहत राष्ट्रपति को सैन्य कार्रवाई शुरू करने के बाद कांग्रेस को सूचना देनी होती है और बिना मंजूरी के 60 दिनों के भीतर उसे खत्म करना होता है। ट्रंप ने यह भी कहा, ईरान के साथ बातचीत में अभी अनिश्चितता है। उन्होंने चेतावनी दी कि वह मौजूदा प्रस्तावों से संतुष्ट नहीं हैं। लेकिन कूटनीति और सैन्य कार्रवाई दोनों विकल्प खुले रखे गए हैं। ईरान के प्रस्ताव पर नाराजगी जताई उन्होंने पत्रकारों से कहा, ईरान समझौता करना चाहता है। लेकिन वह प्रस्ताव से खुश नहीं हैं, इसलिए यह देखना होगा कि आगे क्या होगा। ट्रंप ने ईरान के नेतृत्व को भी अस्थिर बताया और कहा कि वहां अंदरूनी मतभेद हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि असली नेता कौन है। ट्रंप का दावा– कमजोर हो गई ईरान की सेना उन्होंने यह भी दावा किया, हाल के संघर्ष के बाद ईरान की सेना काफी कमजोर हो गई है। उसके पास अब मजबूत नौसेना और वायुसेना नहीं बची है। ट्रंप ने कहा कि वह शांतिपूर्ण समाधान पसंद करेंगे। लेकिन अगर वार्ता विफल होती है तो सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी मौजूद है।

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी ने किंग चार्ल्स के स्वागत के दौरान की अशिष्टता, हो रही आलोचना

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिकी न्यूयॉर्क सिटी के मेयर और भारतवंशी जोहरान ममदानी को किंग चार्ल्स तृतीय का स्वागत करने के दौरान अशिष्ट व्यवहार करने व कोहिनूर हीरा लौटाने का आग्रह करते समय उपनिवेशवाद के मुद्दे को त्यागने में विफल रहने के लिए आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। मैनहट्टन में 9/11 स्मारक पर बुधवार को महाराजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला से मिलने से कुछ घंटे पहले ममदानी ने कहा था कि वह ब्रिटिश सम्राट से कोहिनूर हीरा (भारत को) लौटाने के लिए कहेंगे। किंग चार्ल्स न्यूयॉर्क में 'वर्ल्ड ट्रेड सेंटर' स्मारक पर न्यूयॉर्क की गवर्नर कैथी होचुल और न्यू जर्सी की गवर्नर मिकी शेरिल सहित कई अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों के साथ पुष्पांजलि कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 11 सितंबर के भयावह आतंकवादी हमलों में मारे गए 3,000 से अधिक न्यूयॉर्कवासियों को श्रद्धांजलि देना रहा। 'द न्यूयॉर्क पोस्ट' के संपादकीय बोर्ड ने ममदानी द्वारा महाराजा चार्ल्स के अशिष्ट स्वागत की निंदा की। इसमें कहा गया कि ममदानी इंग्लैंड के महाराजा का ठीक से स्वागत नहीं कर सके। इसके लिए परिपक्वता, शालीनता और विनम्रता की जरूरत होती, जो हमारे मेयर में बिल्कुल नहीं दिखाई दी। न्यूयॉर्क पोस्ट के संपादकीय में कहा गया कि बुधवार को चार्ल्स तृतीय ने न्यूयॉर्क का दौरा किया, तो उनका स्वागत करने के लिए ममदानी ने बहुत कम प्रयास किए। इसमें कहा गया कि मेयर 9/11 स्मारक पर सम्राट के साथ केवल एक संक्षिप्त बैठक के लिए देर से सहमत हुए, जबकि शाही परिवार ने शहर में कई स्थलों का दौरा किया। पूर्व में भी न्यूयॉर्क के मेयरों ने ब्रिटिश शाही परिवार का गर्मजोशी से स्वागत किया गया था लेकिन ममदानी ने ऐसा कुछ नहीं किया। किंग चार्ल्स को अतीत में दिए गए प्रोटोकॉल जैसा कुछ भी करने की ममदानी ने जहमत नहीं उठाई। वह उपनिवेशवाद के खिलाफ अपने जुनून को भी दरकिनार नहीं कर सके और चार्ल्स से मुलाकात के पहले पत्रकारों से कह बैठे कि उन्हें उम्मीद है, वह यदि अलग से महाराजा चार्ल्स तृतीय से मिले तो 'कोहिनूर' हीरा (भारत को) लौटाने पर जोर देंगे। यह हीरा मूल रूप से भारत का 105 कैरेट का रत्न है और अब लंदन में प्रदर्शित है। भारत भी इसकी वापसी में लगा है।

ट्रंप को क्यों मंजूर है महंगा ईंधन?: तेल की बढ़ती कीमतों को ठहराया सही,अमेरिकी राष्ट्रपति ने दिया गजब बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा में तेल की बढ़ती कीमतों पर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्वीकार किया कि इस समय पेट्रोल और ईंधन के दाम काफी ऊंचे स्तर पर हैं। ट्रंप ने कहा कि बाजार में दूसरी चीजों की कीमतें नीचे हैं, लेकिन गैसोलिन (पेट्रोल) अभी भी महंगा बना हुआ है। उन्होंने इस स्थिति का बचाव करते हुए कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह कीमत चुकाना जरूरी है।

टिम कुक बोले- भारत एपल के लिए महत्वपूर्ण बाजार, यह कंपनी के लिए बड़ा मौका

न्यूयॉर्क ,एजेंसी। स्मार्टफोन कंपनी एपल की भारत में व्यापक वृद्धि दर्ज हुई है। इसे लेकर एपल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने भारत को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए इसे एक बड़ा मौका बताया है। तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी की 2026 की दूसरी तिमाही की आय घोषणा के दौरान कुक ने कहा, जी हां।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।